हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 100, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 8 अक्टूबर, 2023 दिन रविवार | गाजीपुर/वाराणसी

स्वामीनाथन ने वैज्ञानिक ज्ञान, उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच अंतर कम किया; वे सच्चे किसान वैज्ञानिक थे: मोदी

यदि योजना बनाने वालों में दृढ़ता है, तो वे जिस तरह से चाहते हैं उसे हासिल कर लेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरित क्रांति के अग्रदूत एम एस स्वामीनाथन, जिनका हाल ही में निधन हो गया, को प्रयोगशालाओं के बाहर खेतों में उनके काम के प्रभाव के लिए एक सच्चे "किसान वैज्ञानिक" के रूप में वर्णित किया गया है। शनिवार को कई अखबारों में छपी श्रद्धांजलि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रसिद्ध कृषि विज्ञानी ने वैज्ञानिक ज्ञान और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच अंतर को कम किया है।

उन्होंने कहा, बहुत से लोग उन्हें कृषि वैज्ञानिक कहते हैं। लेकिन, मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि वह इससे और भी अधिक थे। वे सच्चे किसान वैज्ञानिक थे। उनके दिल में एक किसान था। स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रसिद्ध तमिल पुस्तक 'कुराल' का हवाला देते हुए मोदी ने कहा, 'वहां लिखा है, 'यदि योजना बनाने वालों में दृढ़ता है, तो वे जिस तरह से चाहते हैं उसे हासिल कर लेंगे।' यहां एक ऐसा दिग्गज व्यक्ति था जिसने अपने जीवन में ही निर्णय ले लिया था कि वह कृषि को मजबूत करना चाहता है और किसानों की सेवा करना चाहता है। मोदी ने कहा कि किताब में किसानों को दुनिया को एक सूत्र में बांधने वाली धुरी के रूप में वर्णित किया गया है क्योंकि किसान ही हैं जो सभी को बनाए रखते हैं और स्वामीनाथन इस सिद्धांत को बहुत अच्छी तरह से समझते थे। उनके दृष्टिकोण की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया आज बाजरा को लेकर सुपर फूड के रूप में बात कर रही है, लेकिन उन्होंने 1990 के दशक से बाजरा के बारे में चर्चा को प्रोत्साहित किया है और टिकाऊ खेती की आवश्यकता और मानव उन्नति और पारिस्थितिक स्थिरता के बीच नाजुक संतुलन पर जोर दिया है। मोदी ने कहा, स्वामीनाथन ने छोटे किसानों के जीवन को बेहतर बनाने और यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया कि वे भी नवाचार का लाभ उठाएं, उन्होंने कहा कि वह विशेष रूप से महिला किसानों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर भावुक थे। प्रधानमंत्री ने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद स्वामीनाथन के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी याद किया, जब राज्य अपनी कृषि क्षमता के लिए नहीं जाना जाता था, सूखे, चक्रवात और भूकंप ने इसके विकास पथ को प्रभावित किया था। मोदी ने कहा, स्वामीनाथन ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी राज्य की पहल की सराहना की और बहुमूल्य जानकारी दी। उन्होंने कहा, उनका समर्थन उन लोगों को आश्वस्त करने के लिए पर्याप्त था जो इस योजना के बारे में संदेह कर रहे थे जो अंततः गुजरात की कृषि सफलता के लिए मंच तैयार करेगी। मोदी ने कहा कि स्वामीनाथन को अमेरिका में एक संकाय पद की पेशकश की गई थी लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि वह भारत में और उसके लिए काम करना चाहते थे। प्रधान मंत्री ने कहा कि देश ने भोजन की कमी जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया, स्वामीनाथन एक महान व्यक्ति के रूप में खड़े रहे और देश को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के मार्ग पर ले गए। उन्होंने कहा, 1960 के दशक की शुरूआत में, भारत अकाल की अशुभ छाया से जूझ रहा था और तभी स्वामीनाथन की दृढ़ प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता ने कृषि समृद्धि के एक नए युग की शुरूआत की।

अस्थायी नौकरियों में भी आरक्षण का लाभ, केंद्र ने कहा- सभी मंत्रालयों को नियम लागू करने के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की 45 और उससे अधिक दिन की अस्थायी नौकरियों में भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण का लाभ मिलेगा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी दी है। केंद्र ने यह भी कहा है कि उसने अपने सभी मंत्रालयों, विभागों को इसे सख्ती के साथ लागू करने के लिए निर्देश दिए हैं। अस्थायी नौकरियों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण की मांग वाली याचिका पर केंद्र ने भारत सरकार के कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन मंत्रालय के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की तरफ से पिछले साल 21 नवंबर को इस संबंध में जारी कार्यालय ज्ञापन के बारे में जानकारी दी। 1968 और 2018 में जारी पहले के कार्यालय ज्ञापनों का हवाला देते हुए मौजूदा कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, यह दोहराया जाता है कि केंद्र सरकार के पदों और सेवाओं पर नियुक्तियों के संबंध में, 45 दिन या उसे अधिक समय तक चलने वाले अस्थायी नियुक्तियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण होगा। इस कार्यालय ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने याचिका का निपटारा कर दिया। साथ ही यह स्पष्ट भी किया कि अगर इस कार्यालय ज्ञापन का उल्लंघन होता है तो याचिकाकर्ता या पीड़ित पक्ष कानून के अनुसार उचित उपाय का सहारा लेने के लिए स्वतंत्र होगा। इसके अलावा पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील का बयान भी दर्ज किया कि 21 नवंबर 2022 के कार्यालय ज्ञापन का पालन करने में विफलता के मामलों से निपटने के लिए एक तंत्र मौजूद है। कार्यालय ज्ञापन में आगे एससी और एसटी के कल्याण पर संसदीय समिति की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें पाया गया कि सभी विभागों की तरफ से अस्थायी नौकरियों में आरक्षण के निदेशों का अक्षरशः पालन नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में मंत्रालय ने कहा है, सभी मंत्रालयों, विभागों को 45 दिन या उससे अधिक समय की अस्थायी नौकरियों में उपयुक्त समूहों को आरक्षण पूरी तरह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

हर कोई जांच में करे सहयोग, आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर भारत-कनाडा के विवाद पर बोले अमेरिकी विशेष दूत

वाशिंगटन। कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के भारत पर आरोप लगाए जाने के बाद से ही दोनों देशों के बीच के रिश्ते में तनाव बढ़ता जा रहा है। कूटनीतिक गतिरोधों पर ग्लोबल एंगेजमेंट सेंटर के विशेष दूत और समन्वयक जेम्स रुबिन ने कहा कि यह एक संवेदनशील विषय है क्योंकि जहां तक जांच की बात है उसमें सहयोग मांगा है। अमेरिकी विशेष दूत ने एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, ह्यिह एक मुश्किल विषय है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि हम कनाडा की जांच का समर्थन करते हैं। हम चाहते हैं कि भारत सरकार समेत हर कोई इस हत्या की सच्चाई सामने लाने में मदद करे। इसके साथ ही हम सभी से सहयोग करने का आग्रह करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या नई दिल्ली और ओटावा के बीच इस तरह के तनाव से दुष्प्रचार अभियानों को बढ़ावा मिल सकता है। इस पर रुबिन ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है, जो सूचना को गलत तरीके से प्रसारित करने के लिए काफी है।

पीएम मोदी के विवादित पोस्टर पर भड़के मुख्तार अब्बास नकवी, कांग्रेस की सदस्यता रद्द करने की मांग

नई दिल्ली। राहुल गांधी की पोस्टर को लेकर कांग्रेस के साथ चल रहे पोस्टर युद्ध में भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शनिवार को मांग की कि चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान शासन की तुलना तुगलक युग से करने वाले पोस्टर के लिए सबसे पुरानी पार्टी पर प्रतिबंध लगाए। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि जिस कथित पोस्टर की बात की जा रही है, वह चुनाव आयोग के लिए कांग्रेस की मान्यता रद्द करने और उस पर प्रतिबंध लगाने का "उचित मामला" बनता है। कांग्रेस की केरल इकाई ने पहले एक पोस्टर जारी किया था, जिसमें शासक को पीएम मोदी जैसा दिखाने के लिए पाठ्यपुस्तकों से मुहम्मद बिन तुगलक की छवि को विकृत किया गया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केरल कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल पर इसे पोस्ट किया गया था।

वहीं, गुरुवार को बीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को महाकाव्य 'रामायण' के 'रावण' के रूप में चित्रित किया था। भाजपा के आधिकारिक हैंडल पर पोस्ट में कहा, "नए युग का रावण यहां है। वह दुष्ट है, धर्म विरोधी है, राम विरोधी है। उसका उद्देश्य भारत को नष्ट करना है।" भाजपा के पोस्टर ने कांग्रेस में खलबली मचा दी और पार्टी सांसद मनिकम टैगोर ने इसे 'दुर्भाग्यपूर्ण' और 'निंदनीय' करार दिया। टैगोर ने एक समाचार एजेंसी को बताया, "वे लोगों को राहुल गांधी के खिलाफ हिंसा करने के लिए उकसा रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि उन्होंने हिंसा में अपने पिता और दादी को कैसे खोया।

एक राष्ट्रीय पार्टी की ओर से इस तरह की प्रचार सामग्री दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से माफी की भी मांग की। उन्होंने कहा, "पीएम मोदी और जेपी नड्डा को इसका जवाब देना चाहिए। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

'जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी' को मायावती ने बताया कांग्रेस का नया शिगूफा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने आज जाति जनगणना और कांग्रेस के 'जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी' वाले बयान को नया चुनावी शिगूफा बताते हुए हमला बोला है। मायावती ने जाति गणना के मामले में भाजपा को भी घेरा है। मायावती ने कहा कि चुनावी माहौल देखकर सभी इसे भुनाने में लगे हैं। बसपा सुप्रीमों ने कहा कि अगले विधानसभा आमचुनाव से पहले सत्ताधारी कांग्रेस व भाजपा द्वारा किस्म-किस्म के लुभावने वादे किए जाने से चुनावी माहौल प्रभावित हो रहा है, किन्तु प्रश्न यह है कि जो वादे अब किए जा रहे हैं वे पहले समय रहते क्यों नहीं लागू किए गए? इस प्रकार घोषणाओं में गंभीरता कम व छलावा ज्यादा। मायावती इतने पर ही चुप नहीं हुईं। उन्होंने हमलावर होते हुए कहा कि देश की जनता महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार की मार से त्रस्त है, किन्तु कांग्रेस व भाजपा दोनों जातीय गणना, ओबीसी व महिला आरक्षण को चुनाव में भुनाने मे लगी हैं ताकि अपनी विफलताओं पर पर्दा डाल सकें। लेकिन जनता इसे छलावा मानकर अब और इनके बहकावे में आने वाली नहीं। साथ

ही, 'जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी' कांग्रेस का नया चुनावी शिगूफा। क्या आजादी के बाद से कांग्रेस ने कभी भी अपनी पार्टी व सरकार में इस पर अमल करके दिखाया। नहीं, तो फिर इन पर विश्वास कैसे? जबकि बीएसपी ने पार्टी व अपनी सरकार में इस सामाजिक न्याय को लागू करके दिखाया।

'...स्टेट है तभी न सेंटर है', जेपी नड्डा के बयान पर हमलावर हुए तेजस्वी यादव, बोले- भाजपा खुद टूट रही

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करने के बयान वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लग तो ऐसा रहा है कि वे (भाजपा) खुद ही समाप्त हो रहे हैं। जितने भी क्षेत्रीय दल थे वे सब इनसे बिछड़ गए। तमिलनाडु में दक्षिण भारत का इनका सबसे बड़ा गठबंधन टूट गया, इन्हें छोड़ दिया। इनके साथ कौन है? ना देश की जनता है ना क्षेत्रीय दल हैं ना कोई है। मालूम हो कि 5 अक्टूबर को ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पटना में बिहार भाजपा के संस्थापक अध्यक्ष कैलाशपति मिश्र के शताब्दी समारोह पर आए थे। इस दौरान जेपी नड्डा ने कार्यक्रम में मौजूद पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को भी संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने लालू यादव, नीतीश कुमार, आईएनडीआईए से लेकर दरभंगा एम्स के मुद्दे को लेकर जमकर हमला बोला था। लोकसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है। इस बीच बिहार में दिग्गज भाजपा नेताओं के दौरे और गतिविधियां बढ़ रही है। बता दें कि इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मधुबनी के झंझारापुर का दौरा किया था। वहीं, एक बार फिर अमित शाह के मुजफ्फरपुर के पताही आने की संभावना है। 5 नवंबर को उनका दौरा संभावित है। वे वहां सभा कर सकते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि मुजफ्फरपुर के पताही एयरपोर्ट से दीपावली के पहले छोटी फ्लाइट्स की उड़ान सेवा शुरू हो सकती है। बता दें कि पताही में पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने भी रैली की थी। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के पताही आने से एक बार फिर अमित शाह के बिहार आगमन के कयास लगाए जा रहे हैं।

हमास ने दागे 5000 रॉकेट, मेयर समेत 5 की मौत, 100 घायल, इस्त्राइल की जवाबी कार्रवाई

यरुशलम। हमास के दनादन रॉकेट हमलों से भड़के इस्त्राइल ने कहा है कि वह युद्ध के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमास ने इस्त्राइल पर गाजा से हमले किए। हमला कितना बड़ा है इसका अंदाजा इसी से होता है कि केवल 20 मिनट की अवधि में 5,000 रॉकेट दागे गए। हमले के संबंध में आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमास की सशस्त्र शाखा ने घोषणा की कि उसने "ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड" शुरू कर दिया है। शनिवार को हुए हमलों के बारे में हमास ने कहा, उसने "20 मिनट के पहले हमले" में 5,000 से अधिक रॉकेट दागे हैं। इस्त्राइल ने 'युद्ध के लिए तैयार' होने की बात कही और कहा कि हमास को अपने कार्यों की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार अब तक चार लोगों की मौत होने की पुष्टि हो चुकी है। दनादन हमलों के बाद संकट गहराने की आशंका के बीच भारत में इस्त्राइल के राजदूत नाओर गिलोन ने ट्वीट किया, यहूदी छुट्टियों के दौरान इस्त्राइल पर गाजा से हमला हो रहा है। रॉकेट और हमास आतंकवादियों की जमीनी घुसपैठ भी हुई है। उन्होंने कहा कि, हालात सामान्य नहीं हैं, लेकिन इस्त्राइल जीतेगा और संकट को पीछे छोड़ने में सफल रहेगा।

खबरों के अनुसार हमलों में व्यापक जानमाल के नुकसान की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन इस्त्राइल ने अवरुद्ध गाजा पट्टी से हुए रॉकेट हमले के बाद 'युद्ध की स्थिति' घोषित कर दी है। तनाव और टकराव बढ़ने की आशंका है क्योंकि फिलिस्तीन के हमास आतंकवादियों ने कहा कि यह उनका "पहला हमला" है।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाड में पहला स्वर्ण जीता, अफगानिस्तान को लगातार तीसरी बार मिला रजत

हांगझोऊ। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत लिया है। शनिवार (सात अक्तूबर) को अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल मुकाबला बारिश के कारण धुल गया। आईसीसी रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को चैंपियन घोषित किया गया। टी20 रैंकिंग में भारत पहले स्थान पर है। वहीं, अफगानिस्तान 10वें पायदान पर है। भारतीय पुरुष टीम को पहली बार एशियाई खेलों में स्वर्ण मिला है। वहीं, अफगानिस्तान को लगातार तीसरा रजत मिला है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हराकर कांस्य पर कब्जा किया। भारतीय टीम रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में खेलने उतरी थी। उसने नेपाल को 23 रन से हराया था। उसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में नौ विकेट से जीत हासिल की थी। दूसरी ओर, अफगानिस्तान की बात करें तो उसने क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका को परास्त किया था। उसके बाद एक और उलटफेर करते हुए सेमीफाइनल में पाकिस्तान को शिकस्त दी थी। हालांकि, फाइनल में उसे ऐसा करने का मौका नहीं मिला। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम पहली बार एशियाड में हिस्सा लेने

उतरी थी। उसने पहली बार में ही इतिहास रच दिया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले 2010 में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान और 2014 में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हराकर स्वर्ण जीता था। अफगानिस्तान की टीम लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंची और उसे तीसरे रजत पदक से संतोष करना पड़ा है। मैच में भारत के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। बारिश के कारण मैच रोके जाने के समय अफगानिस्तान ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 112 रन बना लिए थे। इसके बाद बारिश के कारण मुकाबला नहीं हो सका। अफगानिस्तान की पारी की बात करें तो शाहिदुल्लाह कमाल ने सबसे ज्यादा नाबाद 49 रन बनाए। कप्तान गुलबदीन नईब 27 रन बनाकर नाबाद रहे। अफसर जजई ने 15 रन का योगदान दिया। इन तीनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। जुबैद अकबरी पांच और मोहम्मद शहजाद चार रन बनाकर आउट हुए। नूर अली जादरान और करीम जनात ने एक-एक रन बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, शाहबाज नदीम और रवि बिश्नोई ने एक-एक विकेट लिए।

अंतरिक्ष में यात्रियों को भेजने की कवायद तेज, जल्द शुरू होगा पहला मानवरहित उड़ान परीक्षण

नई दिल्ली। भारत की चांद पर सफल लैंडिंग के बाद अब अंतरिक्ष में यात्रियों को भेजने की तैयारी शुरू हो चुकी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान परीक्षण जल्द शुरू करने वाला है। बता दें, करीब 900 करोड़ रुपये की लागत का यह अभियान अगले वर्ष लॉन्च होगा। इससे पहले इसके लिए तीन वाहन परीक्षण किए जाने हैं। इनमें पहला वाहन परीक्षण मिशन टीवी-डी1, दूसरा टीवी-डी2 मिशन और तीसरा परीक्षण एलवीएम3-जी1 होगा। यह मानव रहित मिशन होगा। इसरो ने बताया कि जल्द गगनयान के परीक्षण वाहन को लॉन्च किया जाएगा। ताकि क्रू एस्केप सिस्टम का परीक्षण किया जा सके। इसके लिए फ्लाइट टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) की तैयारी चल रही है। गौरतलब है, रोबोट और ह्यूमनोइड (मानव जैसा रोबोट) को अंतरिक्ष में भेजकर क्रू की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। गगनायान के तीसरे वाहन परीक्षण एलवीएम3-जी1 के तहत जिस ह्यूमनोइड को भेजा जाएगा, उसके जरिये क्रू के सामने आने वाली तमाम चुनौतियों की जानकारी जुटाई जाएगी। सितंबर में परियोजना निदेशक आर हटन ने बताया था कि इसरो चार अंतरिक्ष

यात्रियों को इस अभियान के लिए प्रशिक्षण दे रहा है। यह भारत का पहला मानव अंतरिक्ष अभियान होगा। इस अभियान के तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को 400 किमी की कक्षा में पहुंचाकर वापस सुरक्षित धरती पर लाया जाएगा। हटन ने बताया था कि अगले माह गगनयान के परीक्षण वाहन को लॉन्च किया जाएगा ताकि, क्रू एस्केप सिस्टम का परीक्षण किया जा सके।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में मनरेगा योजना में अनियमितता को लेकर तृणमूल कांग्रेस और केंद्र सरकार आमने सामने

पश्चिम बंगाल में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के लागू होने में अनियमितताओं को लेकर तृणमूल कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच छिड़ा वाक्युद्ध अब सड़कों पर आ गया है। राज्य सरकार ने केंद्र पर हजारों करोड़ रुपए रोकने का आरोप लगाया तो केंद्र सरकार बंगाल में मनरेगा योजना में निदेर्शों को ताक पर रखने की दलील दे रही है। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच निचले पायदान पर बैठा व्यक्ति रोजगार की मुश्किल से जूझ रहा है। विपक्षी दल पूर्ववर्ती यूपीए सरकार में लागू की गई इस योजना को केंद्र की मौजूदा राजग सरकार पर धीरे-धीरे खत्म करने का आरोप लगाते रहे हैं। इनमें पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सबसे ज्यादा मुखर है और उसने कई मौकों पर इस मसले पर केंद्र के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया है। पार्टी का कहना है कि केंद्र मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पंद्रह हजार करोड़ रुपए दबाए बैठा है। इससे राज्य की बड़ी गरीब आबादी प्रभावित हो रही है। हालांकि केंद्र इन आरोपों का खंडन करने के साथ ही राज्य सरकार पर मनरेगा जाब कार्ड में फजीर्वाड़ा किए जाने की बात कह रहा है। हकीकत यह है कि मांग-संचालित मजदूरी रोजगार कार्यक्रम के रूप में मनरेगा समूचे देश में अपने मूल स्वरूप में जारी है और केंद्र सरकार इस मद में राशि भी आबंटित करती रही है। पश्चिम बंगाल के संदर्भ में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय का दावा है कि मनरेगा के लिए धन की कोई कमी नहीं है, लेकिन राज्य को धन इसलिए नहीं दिया गया, क्योंकि उसने केंद्रीय निदेर्शों का अनुपालन नहीं किया। केंद्र सरकार राज्य में पच्चीस लाख जाब कार्ड में फजीर्वाड़ा किए जाने का भी आरोप लगा रही है। अगर ऐसा है तो इन आरोपों की पड़ताल होनी चाहिए। राज्य सरकार को स्वयं इस मामले की जांच कर केंद्र के समक्ष सही तस्वीर रखनी चाहिए। सवाल है कि पश्चिम बंगाल को केंद्र सरकार की चिंताओं का निवारण करने में कहां दिक्कत पेश आ रही है, जबकि केंद्र कह रहा है कि उसने चार अक्तूबर तक इस योजना के लिए निर्धारित साठ हजार करोड़ रुपए के बजट में से 56,105.69 करोड़ जारी कर दिए हैं। अगर इतना पैसा राज्यों को दे दिया गया है तो गड़बड़ी कोष में नहीं, कार्यान्वयन स्तर पर नजर आती है। एक उपयोगिता आधारित और गरीब तबकों के कल्याण कार्यक्रम के रूप में मनरेगा का महत्त्व किसी से छिपा नहीं है। लेकिन इसमें धांधली, काम नहीं मिलने या भुगतान में देरी के आरोप अक्सर सामने आते रहे हैं। स्थानीय स्तर पर योजना की कार्यान्वयन एजंसी के प्रति सख्ती से इस समस्या का समाधान हो सकता है। अगर किसी राज्य के साथ भेदभाव हुआ है, तो इसके लिए सड़कों पर प्रदर्शन करने के बजाय उचित मंच पर तथ्यों और आंकड़ों के साथ अपनी बात रखी जा सकती है। मनरेगा को गांवों में रोजगार का सबसे ठोस जरिया माना जाता है। इसके तहत ग्रामीण परिवार को प्रतिवर्ष सौ दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाती है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना की उपयोगिता पूरे देश में शुरू से निर्विवाद रही है। कोरोना काल में जब बड़ी संख्या में शहरों से गांवों की ओर पलायन हुआ तो रोजी-रोटी चलाने के लिए यही योजना सबसे बड़ा सहारा बनकर उभरी। उस समय सरकार को इसका बजट लगभग दोगुना तक बढ़ाना पड़ा था। दरअसल, कल्याणकारी योजनाएं सभी राज्यों के लिए होती हैं। इनके कार्यान्वयन में लापरवाही या भ्रष्टाचार से नुकसान समाज के सबसे निचले तबके को ही उठाना पड़ता है। इसे लेकर राजनीतिक लाभ का गणित बिठाने के बजाय इस पर ठोस और ईमानदार कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

है पदक की सेंचुरी!

भर रही है झोली ।
रच रहे इतिहास ।।
है पदक की सेंचुरी ।
बनें निरंतर खास ।।
लाई मेहनत रंग ।
जिनका कर्म प्रधान ।।
लहराया तिरंगा है ।
बढ़े अनवरत शान ।।
कदम बढ़ाते जाना ।
छूना आसमान ।।
फैल रही है कीर्ति ।
रहे ये बजता गान ।।
गौर्वावित पल है ।
जश्न है मनाना ।।
धूल है चटाई ।
लिख रहे अफसाना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

एशियाई खेलों में पदकों का नया रिकॉर्ड बना कर भारत ने अपनी धाक जमा दी है

ललित गर्ग

खेलों में ही वह सामर्थ्य है कि वह देश एवं दुनिया के सोये स्वाभिमान को जगा देता है, क्योंकि जब भी कोई अर्जुन धनुष उठाता है, निशाना बांधता है तो करोड़ों के मन में एक संकल्प, एकाग्रता एवं अनूठा करने का भाव जाग उठता है और कई अर्जुन पैदा होते हैं। अनूठा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी माप बन जाते हैं और जो माप बन जाते हैं वे मनुष्य के उत्थान और प्रगति की श्रेष्ठ, सकारात्मक एवं अविस्मरणीय स्थिति है। भारत की अनेकानेक अनूठी एवं विलक्षण उपलब्धियों के बीच चीन के हांगझू में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में भारत एवं उसके खिलाड़ियों ने जिस तरह अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 83 पदक अर्जित कर लिए, वह न केवल भारत के खिलाड़ियों बल्कि हर युवा के मन और माहौल को बदलने का माध्यम बनेगा, ऐसा विश्वास है। शतक पदकों की ओर बढ़ने की गौरवपूर्ण स्थिति से भारत में नयी ऊर्जा का संचार होगा, इससे नया विश्वास, नयी उम्मीद एवं नयी उमंग जागेगी। इसके पहले जकार्ता में आयोजित एशियाई खेलों में भारत को कुल 70 पदक मिले थे।

एशियाड में भारत के ऐतिहासिक, अनूठे एवं अविस्मरणीय प्रदर्शन का जारी रहना सुखद, गर्व एवं गौरव का विषय है। बुधवार को भारत ने एशियाई खेलों में 70 पदक जीतने का अपना पूर्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए पदक-यात्रा को नए कीर्तिमान की ओर अग्रसर किया है। भारतीय खिलाड़ियों द्वारा किया गया प्रदर्शन खेल-भाल पर लगे अक्षमता के दाग को धो दिया है। हमारे देश में यह विडंबना लंबे समय से बनी है कि दूरदराज के इलाकों में गरीब परिवारों के कई बच्चे अलग-अलग खेलों में अपनी बेहतरीन क्षमताओं के साथ स्थानीय स्तर पर तो किसी तरह उभर गए, लेकिन अवसरों और सुविधाओं के अभाव में उससे आगे नहीं बढ़ सके। लेकिन इसी बीच एशियाड में कई उदाहरण सामने आए, जिनमें जरा मौका हाथ आने पर उनमें से हर खिलाड़ी ने दुनिया से अपना लोहा मनवा लिया। अनेक खिलाड़ी हैं, जिन्होंने बहुत कम वक्त के दौरान अपने दम से यह साबित कर दिया कि अगर वक्त पर प्रतिभाओं की पहचान हो, उन्हें मौका दिया जाए, थोड़ी सुविधा मिल जाए तो वे दुनिया भर में देश का नाम रोशन कर सकते हैं। अब हमारे पास ऐसे अनेक नाम हैं जिन्होंने स्वर्णिम इतिहास रचा है, जबकि पहले ऐसे नामों का अभाव था, कुछ ही नाम थे जिनको दशकों से दोहराकर हम थोड़ा-बहुत संतोष करते रहे हैं, फिर चाहे वह फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह हों या पीटी उषा। 19वें एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने भारत का मस्तक ऊंचा करने वाला प्रदर्शन किया है, जिसका असर भारतीय खेल तंत्र ही नहीं बल्कि आम जनजीवन पर गहरे पड़ने वाला है। पदकों के कीर्तिमान देश के बच्चों और युवाओं में अनूठा करने के संकल्पों को आसमानी ऊंचाई देगा। विशेषतः युवतियों एवं बालिकाओं को हौसला मिलेगा। क्योंकि एशियाई खेलों में लड़कियों का प्रदर्शन बुलन्द रहा, स्वागत योग्य है।

निश्चित ही पदक विजेता महिला खिलाड़ियों की सोच भीड़ से अलग थी और यह सोच एवं कृत जब रंग दिखा रहा थी तो इतिहास बन रहा था। अनेक महिला खिलाड़ी पहली बार दुनिया की नजरों में आई और बन गई हैं हर किसी की आंखों का तारा। अपने प्रदर्शनों एवं खेल प्रतिभा से दुनिया को चौंका दिया है। भारत के गांव-देहात की लड़कियों ने भी चीन के हांगझोउ में झंडे गाड़ दिए हैं। लंबी दौड़, भाला फेंक, तलवारबाजी, टेबल टेनिस इत्यादि ऐसे खेल हैं, जिनमें लड़कियों ने भारत के लिए एक नई शुरूआत की है। स्वर्ण पदक जीतने वाली लड़कियों में वह अनु रानी भी शामिल हैं जो अपने गांव में खेती में गन्ने को भाला बनाकर फेंका करती थीं। उन्हें जब सुविधा मिली तो उन्होंने विश्व स्तर पर कमाल कर दिखाया। बिल्कुल जमीन से उठी अनु रानी और पारूल चौधरी जैसी खिलाड़ियों की वीरगाथा जब लोगों की निगाह में आती है तो पुरुषार्थ के नए लक्ष्य खड़े होते हैं। पारूल चौधरी तो अपने गांव की टूटी-फूटी सड़क पर भी दौड़ा करती थीं, पर जब परिवार ने प्रोत्साहित किया, तब वह एशियाड में 5,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण ले आई। भारतीयों में न तो प्रतिभा कम है, न जुनून और न मेहनत में कोई कमी रहती है। तभी एशियन गेम्स के 72 साल के इतिहास में पहली बार सबसे अधिक पदक जीत कर नया इतिहास गढ़ा है। भारत का इससे पहले किसी एशियन गेम्स में सबसे अधिक मेडल जीतने का रिकॉर्ड साल 2018 का था। नीरज चोपड़ा ने जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता तो इसके बाद पुरुष 4 गुणा 400 मीटर रिले में अनस मोहम्मद याहिया, अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल वी, राजेश रमेश ने गोल्ड जीता। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने तीरंदाजी मिक्स्ड टीम कंपाउंड का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। खेलों में खास करने का यह निर्णायक मोड़ जकार्ता 2018 से आया है। पदकों की जो बढ़त भारत ने हासिल की है, उसे आगे थमने नहीं देना चाहिए। ध्यान रहे, चीन अकेले ही 165 से भी ज्यादा स्वर्ण जीत चुका है। जापान और कोरिया भी कुल 150-150 पदकों के करीब पहुंच गए हैं। मतलब, आगे हमारा रास्ता लंबा है, चुनौतीपूर्ण है, हमें ज्यादा तेज चलना होगा। भले ही भारत पदक तालिका में चीन, जापान और दक्षिण कोरिया से पीछे है लेकिन एशिया में चौथी बड़ी खेल शक्ति के रूप में उभरना भी एक उपलब्धि है। इस उभार का एक प्रमाण यह है कि हांगझू में भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही दिन में 15 पदक जीते। इसी तरह कुछ खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने पहले और दूसरे दोनों स्थानों पर कब्जा किया यानी स्वर्ण के साथ रजत पदक भी जीता।

एशियाड की विजयगाथाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायी है। जिस प्रकार से विभिन्न खेलों में भारतीयों ने प्रदर्शन किया है, उससे भविष्य के लिए खेल-योजना बनाने में मदद मिलेगी। इसमें कोई शक नहीं है कि सीमित संसाधनों और कमजोर खेल-बुनियाद के बावजूद भारतीयों खेलों की तस्वीर बदलने लगी है, खेलों के लिये प्रोत्साहन, सुविधा एवं साधना का अभाव भी दूर हो रहा है। खेलो इंडिया अभियान को पांच वर्ष ही बीते हैं और उसके नतीजे सतह पर दिखने लगे हैं। जाहिर है, खेल विकास की विशेष योजनाओं व प्रयासों को बल मिलने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रहे हैं, उन्हें एवं समूचे देश को उम्मीद है कि भारत अब विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में किसी से कम नहीं रहने वाला है। राष्ट्र के खिलाड़ी अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वे शिखर पर पहुंच सकते हैं। विश्व को बौना बना सकते हैं। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकते हैं, भले ही रास्ता कितना ही कांटों भरा हो, अवरोधक हो।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश राज्य के गठन का मुद्दा उठाना हकीकत कम, जुमला ज्यादा प्रतीत हो रहा है

अजय कुमार

आम चुनाव से पूर्व एक बार फिर अलग पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मांग उठने लगी है। मांग भी बीजेपी के सांसद द्वारा किया जाना और भी आश्चर्यजनक लगता है। दरअसल, केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के पश्चिमी यूपी को अलग राज्य बनाने की मांग के बयान से राजनीति गरमा गई है। वैसे राजनीति के कुछ जानकार इसे किसान आंदोलन के चलते बीजेपी को हो रहे सियासी नुकसान को पाटने के तौर पर देख रहे हैं। जिस तरह से भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, उसकी काट के तौर पर भी इसे देखा जा रहा है।

बात बालियान की कि जाये तो उन्होंने कहा कि उप्र की राजधानी लखनऊ है और हाईकोर्ट प्रयागराज में है, ऐसे में पश्चिमी यूपी के निवासियों को हाईकोर्ट की दूरी तय करने में काफी समय लग जाता है। इसलिए पश्चिमी यूपी को अलग राज्य घोषित कर मेरठ को इसकी राजधानी बनाया जाए ताकि यहां के नागरिकों की समस्या का समाधान

हो सके। छपरौली से भाजपा के पूर्व विधायक सहेंद्र सिंह रमाला ने भी केंद्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनवाने के बयान का समर्थन किया। पूर्व विधायक ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश हर हाल में बनना चाहिए और इसकी राजधानी मेरठ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश अलग राज्य बनने से क्षेत्र में खुशहाली आएगी और विकास के रास्ते खुलेंगे। यह देश का सबसे अच्छा और समृद्ध प्रदेश होगा। लेकिन संजीव बालियान की मांग का बीजेपी नेताओं ने ही विरोध शुरू कर दिया। वहीं आरएलडी और समाजवादी पार्टी के ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। संजीव बालियान की मांग पर आरएलडी के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह छोटे राज्यों के पक्ष में थे। उन्होंने हरित प्रदेश, बुंदेलखंड और पूर्वांचल की बात की थी। इसके साथ ही विदर्भ और अन्य राज्यों की बात अपने वक्त पर करते थे, लेकिन बीजेपी राज्यों का बंटवारा नहीं करने जा रही है, वो चुनाव को देखकर डरी हुई है। पश्चिम में रालोद और जयंत चौधरी की लोकप्रियता बढ़ी है लिहाजा बीजेपी डर कर ऐसे बयान दे रही है।

वहीं दूसरी ओर बीजेपी के पूर्व विधायक संगीत सोम ने संजीव बालियान के बयान का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो पश्चिमी यूपी मिनी पाकिस्तान बन जाएगा। अब संगीत सोम के इस बयान पर त्रिलोक त्यागी ने पलटवार करते हुए कहा है कि ऐसे बयान मंदबुद्धि और कुबुद्धि के लोग देते हैं, जबकि समाजवादी पार्टी के ओर से सांसद एसटी हसन भी इस जुबानी जंग में आ गए हैं। उन्होंने पश्चिमी यूपी की मांग पर कहा कि हम चाहेंगे कि विभाजन नहीं हो। संजीव बालियान का ये बयान पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है, वो इसमें कोई अपना समीकरण देख रहे होंगे। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि आप कह रहे हैं पश्चिमी राज्य, उत्तर प्रदेश के दो हिस्से करके बनने चाहिए। ये आप कह किससे रहे हैं- सपा, कांग्रेस या आरएलडी से। आप सत्ता में हैं तो साढ़े नौ साल में क्यों नहीं बनाया है। उत्तर प्रदेश में भी आपकी सरकार है, आप प्रस्ताव मंगा लीजिए और बनाईए। हम आपका स्वागत करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि बनाना तो आपको है और बीजेपी को बनाना है तो आप बनाते क्यों नहीं हैं। कुल मिलाकर सामने हार देखकर और दीवार पर लिखी हुई इबारत पढ़कर पश्चिमी यूपी के नाम पर जुमला फेंका जा रहा है।

पापनाशिनी माँ गंगा

पापनाशिनी माँ गंगा की महिमा कोमल और अविरल
माँ तेरा जल बहुत ही निर्मल
माँ आप ही के कारण बढ़ा काशी का मान
माँ आप ही है हर हिंदू का अभिमान
वेद भी करते है मां आपका गुणगान
कट जाते हर पाप जो कर लेता गंगा स्नान
हमारी संस्कृतियों को एकता के रंग में रंगने वाली आप
आपने भक्तो के कास्ट हरने वाली भी आप
लेकिन देखें तो आज क्या हुआ गंगा का हाल
प्लास्टिक और प्रदूषण ने किया माँ का जीना मुहाल
जो कुछ भी हो रहा आज माँ गंगा के साथ
क्या इन सब में नहीं है हमारा हाथ
अब हम सबको मिलकर उठाना है
भागीरथ बनकर माँ गंगा को स्वच्छ बनाना है
हाथ से हाथ मिलाए गंगा को बचाने में
आओ एक नई पहल करें गंगा को सजाने में

रचनाकार /कविताकार
आदर्श पाण्डेय हर्ष
प्रयागराज उत्तर प्रदेश
मोबाईल नंबर 7652029805

प्रधानमंत्री मोदी यशोभूमि से 2024 के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश देने में सफल रहे

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी दिल्ली में एशिया के सबसे बड़े प्रदर्शनी व कांफ्रेंस सेंटर यशोभूमि राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसी नवीन प्रांगण से 18 प्रकार के पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों की लाभ पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से सुथर, बढ़ई, नाव निमार्ता, अस्त्रकार, लोहे का काम करने वाले, टोकरी, चटाई, झाड़ू बनाने वाले, कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निमार्ता, पारंपरिक सुनार, कुम्हार, जूते बनाने वाले, हथौड़ा और टुलकिट निमार्ता, ताला बनाने वाले, मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाले, पत्थर तोड़ने वाले राजमिस्त्री, बाल काटने वाले, मालाकर, कपड़े धोने वाले, दर्जी, मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले आदि कार्य कार्य करने वाले हुनरमंद भाई बहनों को 3 लाख तक बिना गारंटी ऋण देने की घोषणा की है। विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत स्किल अपग्रेडेशन के लिए ट्रेनिंग और 500 रुपये का स्टाइपेंड भी दिया जाएगा और यह हुनरमंद अपने हाथों से जो उत्पाद तैयार करेंगे उन तैयार उत्पादों के लिए क्वालिटी सर्टिफिकेशन, ब्रांडिंग और उनकी मार्केटिंग में भी सरकार की ओर से सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। प्रारम्भिक चरण में विश्वकर्मा योजना में 13000 करोड़ रुपये जारी किये हैं। यह योजना तीन लाख कामगारों के लिए विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर एक अनुपम उपहार है। यह माना जा रहा है कि इस योजना से 30 लाख परिवारों की वित्तीय स्थिति में बड़ा परिवर्तन आएगा। इस योजना से छोटे व्यवसायों और श्रमिकों को अपना व्यापार बढ़ाने और आर्थिक स्थिति सुधारने में भी मदद मिलेगी। समाज के लाखों पारंपरिक कौशल वाले भाई-बहनों के लिए विश्वकर्मा योजना आशा की नई किरण बनकर आई है। इस योजना के माध्यम से भारत के स्थानीय सामान को वैश्विक बनाने में भी बहुत सहयोग मिलेगा। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र ने उपस्थित विश्वकमाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब बैंक आपको गारंटी नहीं मानता है तो मोदी आपको गारंटी देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई विश्वकर्मा योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसचित जनजाति व समाज के वंचित वर्ग के लोगों का मन जीतने की भी एक बड़ी पहल की है। यह पारंपरिक कार्य करने वाले अधिकतर कारीगर व शिल्पकार समाज के लोग इन्हीं वर्गों से आते हैं। भारतीय जनता पार्टी समाज के इन वर्गो को सशक्त करने के लिए संकल्पवान है क्योंकि

जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का युग प्रारम्भ हुआ है और उसके पूर्व से भी समाज का यह वर्ग भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि के लोकार्पण और विश्वकर्मा योजना के शुभारम्भ के उपलक्ष्य पर गहरे राजनैतिक निहितार्थ वाला वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विशिष्ट कार्यशैली रही है कि अब तक उन्होंने जितने भी लोकार्पण कार्यक्रम किये हैं उन सभी अवसरों पर सर्वप्रथम वह श्रमिकों का सम्मान करते हैं व उनका मनोबल बढ़ाते हैं। यशोभूमि में भी उन्होंने सर्वप्रथम वहां काम करने वाले सभी प्रकार के विश्वकर्मा भाई बहनों से बातचीत की और उनका मनोबल बढ़ाया।

प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में भारत मंडप और यशोभूमि जैसे सेंटर दिये हैं जो विकसित भारत का स्वप्न तो पूरा करेंगे ही साथ ही आगामी समय में लाखों युवाओं के लिए रोजगार के वाहक बनेंगे। दोनों ही केन्द्रों पर विश्व भर के लोग अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, बैठकों और प्रदर्शनियों के लिए आएंगे इससे लाखों युवाओं को रोजगार और पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों को भी काम मिलेगा। आगामी दिनों में भारत मंडप और यशोभूमि कांफ्रेंस पर्यटन के केंद्र बिंदु बनकर भी उभरने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आगामी पर्वों को देखते हुए देशवासियों से लोकल उत्पाद खरीदने का एक बार फिर आग्रह करते हुए कहा कि जिसमें हमारे विश्वकर्मा साथियों की छाप और भारत की मिट्टी की महक हो वही उत्पाद उपयोग करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से सनातन संस्कृति का भी सन्देश दिया है क्योंकि हिंदू धर्म के आगामी दिनों में जितने भी पर्व व तिथियां आने वाली हैं उसमें जितनी भी छोटी से छोटी सामग्री व उत्पाद प्रयोग में लाए जाते हैं वह सभी वंचित समाज के इन्हीं पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों की मदद से ही बनाये जाते हैं। एक कालखंड बीच में ऐसा भी आ गया था कि हमारे पारंपरिक कारीगर व शिल्पकार जो उत्पाद बनाते व बेचते थे उस पर चीनी उत्पादों का दबदबा होता जा रहा था और हमारे कारीगर अपनी कला छोड़ने को मजबूर हो रहे थे। नई विश्वकर्मा योजना से ऐसे ही कारीगरों की कला को नया जीवन मिलेगा। यह योजना पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए आचार संहिता लागू करने से पूर्व ही प्रारम्भ कर दी गई है और माना जा रहा है कि इन सभी राज्यों में इस योजना का प्रचार अवश्य किया जाएगा क्योंकि इस योजना के लाभार्थी चुनावी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

समस्या को लेकर पहुँचे फरियादी, 12 का हुआ निस्तारण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस पर कुल 107 मामले आये। जिसमे मात्र 12 मामलों का निस्तारण हो पाया। उपजिलाधिकारी प्रतिभा मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर करखियाँव गाँव के धीरज पटेल व कौशल पटेल ने दंबगो द्वारा खंड़जा पर अवैध रूप से गोबर फेकने और पानी बहाने को लेकर शिकायत की जिसपर उपजिलाधिकारी ने बीडीओ पिण्डरा व बड़ागाव पुलिस को जाँच करने का निर्देश दिया।वही दूसरी वोर देवापुर गाँव के शम्भूनाथ मिश्र ने ओलावृष्ट को लेकर उपजिलाधिकारी से शिकायत की जिसपर उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक को तत्काल जाँच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया।बच्छाँव गाँव के राजेन्द्र स्वरूप ने व गढ़वा के अवधेश सिंह ने दबंग व भू-माफियाओं से पैतृक जमीन को मुक्त कराने को लेकर उपजिलाधिकारी से गुहार लगाई। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के तहसील अध्यक्ष व ताड़ी निवासी रामजियावन गुप्ता ने नथईपुर -रामपुर मार्ग पर एक माह पूर्व ही पैचिंग कार्य के बावजूद जगह जगह गड्ढा होने व उखड़ जाने की शिकायत की। वही लोक निर्माण विभाग द्वारा रामपुर बरजी स्थित नहर पर बने कम चौड़ाई के पुल बनने से अक्सर दुर्घटना होने की शिकायत की। जिसपर लोकनिर्माण विभाग को जांच के आदेश दिया गया। ताड़ी के महेंद्र यादव ने ग्राम प्रधान व सेक्रेटरी द्वारा दो वर्ष पूर्व बने खड़ंजा को बिना किसी बैठक के पुनः उखाड़ सरकारी धन के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। तहसील दिवस पर ज्यादातर जमीनी विवाद के मामले आये। इस दौरान एसडीएम ने सभी मामले को एक सप्ताह में गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर एसीपी प्रतीक कुमार, तहसीलदार विकास पांडेय, बीडीओ दीपकंर आर्य, बीईओ देवीप्रसाद दुबे, विजय प्रकाश यादव, सीडीपीओ आर एन सिंह, एसडीओ संजीव श्रीवास्तव के अलावा फूलपुर, बड़ागांव व सिंधोरा व कपसेठी के थानाध्यक्ष व राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

समस्या को लेकर पहुँचे फरियादी, 12 का हुआ निस्तारण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस पर कुल 107 मामले आये। जिसमे मात्र 12 मामलों का निस्तारण हो पाया। उपजिलाधिकारी प्रतिभा मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर करखियाँव गाँव के धीरज पटेल व कौशल पटेल ने दंबगो द्वारा खंड़जा पर अवैध रूप से गोबर फेकने और पानी बहाने को लेकर शिकायत की जिसपर उपजिलाधिकारी ने बीडीओ पिण्डरा व बड़ागाव पुलिस को जाँच करने का निर्देश दिया।वही दूसरी वोर देवापुर गाँव के शम्भूनाथ मिश्र ने ओलावृष्ट को लेकर उपजिलाधिकारी से शिकायत की जिसपर उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक को तत्काल जाँच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया।बच्छाँव गाँव के राजेन्द्र स्वरूप ने व गढ़वा के अवधेश सिंह ने दबंग व भू-माफियाओं से पैतृक जमीन को मुक्त कराने को लेकर उपजिलाधिकारी से गुहार लगाई। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के तहसील अध्यक्ष व ताड़ी निवासी रामजियावन गुप्ता ने नथईपुर -रामपुर मार्ग पर एक माह पूर्व ही पैचिंग कार्य के बावजूद जगह जगह गड्ढा होने व उखड़ जाने की शिकायत की। वही लोक निर्माण विभाग द्वारा रामपुर बरजी स्थित नहर पर बने कम चौड़ाई के पुल बनने से अक्सर दुर्घटना होने की शिकायत की। जिसपर लोकनिर्माण विभाग को जांच के आदेश दिया गया। ताड़ी के महेंद्र यादव ने ग्राम प्रधान व सेक्रेटरी द्वारा दो वर्ष पूर्व बने खड़ंजा को बिना किसी बैठक के पुनः उखाड़ सरकारी धन के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। तहसील दिवस पर ज्यादातर जमीनी विवाद के मामले आये। इस दौरान एसडीएम ने सभी मामले को एक सप्ताह में गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर एसीपी प्रतीक कुमार, तहसीलदार विकास पांडेय, बीडीओ दीपकंर आर्य, बीईओ देवीप्रसाद दुबे, विजय प्रकाश यादव, सीडीपीओ आर एन सिंह, एसडीओ संजीव श्रीवास्तव के अलावा फूलपुर, बड़ागांव व सिंधोरा व कपसेठी के थानाध्यक्ष व राजस्व विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अखिल विश्व गायत्री परिवार ने किया परीक्षा का आयोजन

प्रखर जखनियां (गाजीपुर)। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में अखिल विश्व गायत्री परिवार गाजीपुर की ओर से महावीर इंटर कॉलेज मलिकपुरा तथा पं०मदन मोहन मालवीय इ०का०सिखड़ी में शनिवार को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में वर्ग नवम (नवीं) से द्वादश (बारहवीं) तक के कुल सैकड़ों विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा में 105 बहु वैकल्पिक प्रश्न पूछे गए थे। इसमें उत्तीर्ण होने पर प्रमाण पत्र एवं जिले तथा राज्य में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने पर नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। परीक्षा में बतौर पर्यवेक्षक गायत्री परिवार से सुरेन्द्र सिंह एवं लौहर सिंह यादव उपस्थित थे। मलिकपुरा प्रधानाचार्य जितेन्द्र सिंह की देखरेख में परीक्षा संपन्न हुई।परीक्षा का संचालन शिक्षक दिलीप कुमार पांडेय गणित के शिक्षक एवं पं मदन मोहन मालवीय इ०का०सिखड़ी में संपूणानंद राय विज्ञान वर्ग के शिक्षक ने किया। प्रधानाचार्य नीरज कुमार राय के कुशल निर्देशन परीक्षा संपन्न कराई गई।नीरज कुमार राय ने कहा कि अखिल विश्व गायत्री परिवार मर्यादित आचरण एवं संस्कार की वह मातृ संस्था है? जहां से अच्छे विचार और संस्कृति की मंदाकिनी निकलती है। इस मौके पर पवन विश्वकर्मा, रामभवन, अजय कुमार,वीर प्रताप सिंह ओमप्रकाश पाण्डेय सुरेश राय जितेन्द्र सिंह ज्ञानेश्वर यादव आदि उपस्थित रहे।

स्थानांतरण के दो माह बाद भी नहीं हटे करंजाकला चिकित्सा प्रभारी

सीएमओ के आदेश को डा अरूण यादव ने किया दरकिनार, आए दिन मरीजों से जमकर करता है दुर्व्यवहार

प्रखर जौनपुर। करंजाकला का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी के चलते सुर्खियों में है। स्थानांतरण के बाद दो महीने बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य केंद्र छोड़ने को तैयार नहीं है। सीएमओ के आदेश को दरकिनार जमे हैं और आए दिन मरीजों से दुर्व्यवहार का मामला सामने आता रहता है। जिसके विरोध मे कई बार मरीजो ने प्रदर्शन भी किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करंजाकला के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अरुण कुमार यादव का कार्यकाल सुर्खियों में है। कई बार मरीजों से दुर्व्यवहार करने के शिकायतों पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इनका स्थानांतरण एक अगस्त 2023 को केराकत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की रिक्त एनेस्थेटिस्ट के पद पर स्थानांतरण कर दिया गया और सीएमओ ने जोर देते हुए कहा की आदेश के अनुपालन मे शीघ्र स्थानीय व्यवस्था पर कार्य मुक्त होकर नई तैनाती स्थान पर कार्यभार ग्रहण कर दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें । कार्यभार ग्रहण करने के प्रमाण से अवगत कराऐ। लेकिन एक अगस्त से अब तक 2 माह बीत जाने के बाद भी चिकित्सा प्रभारी करंजाकला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छोड़ने को तैयार नहीं है ।आए दिन मरीजों से नोक झोक करते रहते हैं। सुविधा शुल्क लेने की भी शिकायते है। लेकिन यह स्वास्थ्य केन्द्र से जाने को तैयार नहीं है और ना ही यह शासन सत्ता को कुछ समझते हैं। डॉ अरुण कुमार यादव अपनी कार्यशैली के चलते हमेशा सुर्खियो में रहते हैं। इनके स्थान पर चोरसण्ड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का प्रभारी डॉक्टर आरिफ सर्फराज खान को बनाया गया और लेकिन डॉक्टर अरुण कुमार यादव के हठधर्मिता के चलते इन्होंने कार्यभार ग्रहण नहीं कर पाए। करंजाकला के प्रभारी डॉक्टर अरुण कुमार यादव मुख्य चिकित्सा अधिकारी के आदेश को ठेंगा दिखा रहे हैं। जबकि सरायख्वाजा थाने से जब कोई घायल व्यक्ति मेडिकल मुआयना के लिए आता है तो उनको भी कई घंटे इंतजार करता करना पड़ता है न रहने पर वापस जाना पड़ता है। रात में डॉक्टर ब्लॉक परिसर में भी नहीं रहते हैं,जिले के मछलीशहर क्षेत्र में स्थित अपने पैतृक निवास चले जाते हैं। इसके चलते भी मरीजो को मुश्किलो का सामना करना पडता है।

जश्न ईद मिलादुन्नबी पर आयोजित की गई महफिल : शायरों ने पेश किए कलाम व रसूल की शान में कसीदे पढ़े

प्रखर मिजार्पुर। नरायनपुर अदलहाट थाना क्षेत्र के नारायनपुर चौकी अंतर्गत रसूलागंज में जलसे व नात शरीफ का हुआ आयोजन 12 रवि अव्वल महीने की चाँद की 17 तारीख को हमिदपुर गोपालपुर में मनाया जाता है इस वर्ष बारिश के कारण 2 दिन बढ़कर 19 को रखा गया था । जश्ने ईद मिलाद उन्नबी विलादत ए मुस्तफा ए सुन्नत ए कमेटी रसूलागंज भट्टा के द्वारा जश्ने ईद मिलाद उन्नबी प्रोग्राम जलसा आयोजित हुआ जिसकी संचालन टीपू सुल्तान ने किया। जलसे की शुरूआत मौलाना मोहम्मद कासिम खान ने तिलावते कलामे रब्बानी ने किया व कार्यक्रम में पहुंची मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान प्रियंका सिंह ग्राम प्रधान का खुशी दीपा करिश्मा द्वारा माला पहना कर जोरदार स्वागत किया गया वही मौलाना मोहम्मद कासिम खान ने कहां कुराने पाक की आयत और हदीसे मुबारका से साफ तौर पर जाहिर होता है कि मोहब्बतें रसूल ईमान का जरूरी हिस्सा है जलसा व नात शरीफ का आयोजन रात भर चलता रहा एक से बढ़कर एक सरकार की शान में कलाम ए पाक सुनाया गया ए आखिरी मंजिल तक सिलसिले में हुआ जलसे तकरीर सहाबी-ए-रसूल के दिलों में अल्लाह और उसके रसूले करीम की मोहब्बत अपनी आखिरी मंजिल तक पहुंची हुई थी। जिसके जरिए मोहब्बत भाईचारे की तालीम आज भी पूरी दुनिया को मिल रही है। मगर हमारा हाल क्या है इस पर गौर करें कि क्या हम अल्लाह के इनामात पाने के हकदार हैं क्या हमारी मोहब्बत व ईमान सही मायनों में सच्चा है हम कहां तक सच्ची पैरवी कर रहे हैं हमें अपने किरदार में अपनी मोहब्बत का जायजा लेने की जरूरत है। मुल्क ओ मिल्लत की तरक्की व खुशहाली की दुआ के बाद जलसा खत्म हुआ इस अवसर पर बिलादत ए मुस्तफा ए कमेटी व भाई लाल अंसारी ,नजीर अंसारी, माजिद खान, सलमान, राजू अहमद, अंकित सिंह, रत्नेश शर्मा, अजीजुल हक, सिराजुद्दीन अंसारी,सोहेल राजा टीपू सुल्तान महताब वारसी, बाबा बाबू मोहम्मद आजाद अमजद खान पत्रकार मोहम्मद जाकी पत्रकार रज्जब खान आदि मौजूद रहे।

जनचौपाल में स्वच्छ और सुंदर गांव बनाने पर जोर

सकलडीहा। चंदौली। विकास खंड के रामपुर उर्फ करनपुर व बसनी गांव में शुक्रवार को चलो चंदौली प्रशासन आपके द्वार के तहत जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौपाल में आयुष्मान, पीएम आवास, अन्त्योदय कार्ड, पात्र गृहस्थी सहित अन्य योजनाओं के तहत पंजीयन कराकर ग्रामीणों को लाभ दिलाया गया। इस मौके पर सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही समस्याओं का समाधान भी किया गया। अंत में ग्रामीणों को स्वास्थ्य शिक्षा और स्वच्छता को लेकर किया जागरूक किया गया। सकलडीहा ब्लाक के रामपुर उर्फ करनपुर व बसनी गांव में जनचौपाल में रसद विभाग, पंचायत विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, बेसिक शिक्षा विभाग, पशुधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, एनआरएलएम विभाग सहित अन्य विभागों के तहत दर्जनों ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं के तहत पंजीयन कराया गया। इस दौरान बीडीओ केके सिंह और एडीओ पंचायत बजरंगी पांडेय ने नवजात बच्चों के अन्नप्राशन एक महिला की गोद भराई कार्यक्रम में सम्मलित हुए। उन्होंने विकास कार्यो की चर्चा की।

अशोक विजयादशमी धम्म दीक्षा दिवस पर किया जायेगा विशाल महासभा का आयोजन

प्रखर मिर्जापुर। अहरौरा सम्राट अशोक शिलालेख स्थल, त्रयस्त्रिश पर्वत (चुनार), अहरौरा भंडारी देवी मंदिर के पास 24 अक्टूबर 2023 दिन मंगलवार को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक दी बुद्धिस्ट सोसाइटी आफ इंडिया के नेतृत्व में अशोक विजयादशमी धम्म दीक्षा समारोह का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम के आयोजक भन्ते विनयदत्त ने बताया कि अहरौरा स्थित भंडारी देवी मंदिर के पास महान बौद्ध सम्राट अशोक ने आश्विन मास शुक्ल पक्ष 10 को लगभग 2300 वर्ष पूर्व बौद्ध धम्म स्वीकार किया तथा हिंसात्मक विजय त्याग कर अहिंसात्मक धर्म विजय का संकल्प लिया उन्होंने बौद्ध धर्म को राजधर्म घोषित किया इसी दिन बोधिसत्य बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भी बहुजन समाज को सम्मान से जीने तथा भारत को पुनः सोने की चिड़िया बनाने के लिए नागपुर की पवित्र दीक्षा भूमि पर अपने लाखों लाख अनुयायियों के साथ उसी दिन 14 अक्टूबर 1956 को हिंदू धर्म त्याग कर बौद्ध धम्म की दीक्षा ली तथागत भगवान बुद्ध धर्म चारिका करते हुए सातवां वर्षावास त्रयस्त्रिश पर्वत जो वर्तमान में अहरौरा में स्थित है तथा आठवां वर्षावास सुंसुमार गिरी (चुनार) पर किया इसलिए उसे स्थान पर सम्राट अशोक ने शिलालेख उत्कीर्ण कराया था जो दसवां लघु शिलालेख है वह आज भी मौजूद है। जिसे पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित किया गया है उसे पवित्र स्थल पर महासभा द्वारा अशोक विजयदशमी धम्म शिक्षा दिवस समारोह हर वर्ष मनाया जाता है अतः आप लोग से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर तन मन धन से सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाये। वही भन्ते विनयदत्त ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राहुल राज असिस्टेंट प्रोफेसर बी.एच.यू. वाराणसी, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर कुंती आनंद वरुणा हॉस्पिटल मण्डुवाड़ीह, वाराणसी होंगे व कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. निर्भय कुमार जैसल प्रांतीय अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा किया जाएगा।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से ज्ञान की पयस्विनी श्रीमद्भागवत साप्ताहिक कथा ज्ञानयज्ञ के तीसरा दिन वैष्णवी भारती साध्वी ने प्रहलाद प्रसंग के माध्यम से भक्त और भगवान के संबंध का किया मार्मिक चित्रण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से ज्ञान की पयस्विनी श्रीमद्भागवत साप्ताहिक कथा ज्ञानयज्ञ के तीसरे दिन आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी सुश्री वैष्णवी भारती साध्वी ने प्रहलाद प्रसंग के माध्यम से भक्त और भगवान के संबंध का मार्मिक चित्रण किया।

प्रहलाद के पिता हिरण्यकश्यिपु के द्वारा उसे पहाड़ की चोटी से नीचे फेंका गया विषपान करवाया, मस्त हाथी के आगे ड़ाला गया परंतु भक्त प्रहलाद भक्तिमार्ग से विचलित न हुए परंतु भक्त प्रहलाद भक्तिमार्ग से विचलित न हुए। विपदा या मुसीबत भक्त के जीवन को निखारने के लिए आते हैं जिस प्रकार से सोना आग की भट्टी में तप कर ही कुंदन बनता है ठीक वैसे ही भक्ति की चमक विपदाओं के आने पर ही देदीप्यमान होती है दूसरी बात यह कि जो भीतर की शक्ति को नहीं जानता वह इनसे घबराते हैं समाज में युवा ही बदलाव लाते हैं युवा में अद्भुत शक्ति समाहित होती है असंभव कार्य को संभव करना युवाओं को ही आता है जब-जब भी समाज का कायाकल्प करने के लिये नौजवान आगे बढ़े तब समाज ने नूतन परिवर्तन सामने पाया। संकट चाहे सीमाओं का हो या राजनैतिक इस के निवारण के लिये युवक-युवतियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया है परंतु आज युवा पथभ्रष्ट हो चुका है नशाखोरी, अश्लीलता, चरित्रहीनता आदि व्यसन उनके जीवन में आ चुके हैं उन्हें देश, समाज से कुछ लेना देना नहीं है हमें समझना होगा की इस बात पर निर्भर नहीं करता है कि हम कितने छोटे हैं अपितु इस पर कि हम में विकसित होने की क्षमता एवं प्रगति करने की योग्यता कितनी है विकसित होने का अर्थ है अंतरनिहित शक्तियों का जागरण। जब शक्ति का जागरण होता है तो सर्वप्रथम व्यक्ति मानव बनता है फिर वह अपनी संस्कृति से प्रेम करता है तब मां भारती के लिए मरमिटने की भावनाएं पैदा होती हैं आध्यात्मिक ऊर्जा के मन में स्पंदित होते ही कर्तव्य बोध, दिशा बोध का भान होता है जब दिशा का पता चलता है तो दशा सुधर जाती है। स्वामी विवेकानंद ,स्वामी रामतीर्थ महान देशभक्त हुए हैं इन्होने विदेशों में जाकर भारतीय संस्कृति का बिगुल बजाया तो इसके पीछे आध्यात्मिक शक्ति ही कार्यरत थी` श्रीमद् भगवदगीता युवकों का आहवान करती है कि ब्रह्मज्ञान को प्राप्त कर अपनी ऊर्जा को पहचानें। अर्जुन जैसा नवयुवक आत्मज्ञान को प्राप्त कर अपनी शक्ति को पहचान पाया था स्वामी विवेकानंद ने कहा मैं युवाओं में लोहे की मांस पेशियां और फौलाद की नस नाड़ियां देखना चाहता हूं भारत में शिक्षित युवाओं का होना सौभाग्य की बात है परंतु विवेकवान जाग्रत युवाओं का होना परम सौभाग्य की बात है। अघासुर की लीला से प्रभु ने बताया कि भोग विषयों के समान हैं जो हमें अपनी ओर खींचते हैं परंतु ये अपूर्ण हैं ये अशांति के अतिरिक्त कुछ नहीं दे सकते अध्यात्म की शरण में जाने से परम शांति की अनुभूति होती है । अग्नि में बैठे भक्त की प्रभु ने रक्षा की होलिका जलकर राख हो गयी आज भी होलिका दहन का प्रचलन है होली जिन रंगों से खेली जाती है वे रंग तो पानी से धुल जाते हैं परंतु जो ईश्वर दर्शन कर भीतरी जगत में भक्ति के रंगों से होली मनाता है वह विचित्र है क्योंकि वे रंग और प्रगाढ़ हो जाते हैं जन्मों-जन्म के लिये भगवान से संबंध स्थापित होता है। होली उत्सव कथा में मनाया गया उसके पश्चात भक्त की रक्षा करने प्रभु स्तम्भ में से प्रकट होते हैं नरसिंह अवतार धारण कर उन्होने अधर्म और अन्याय को समाप्त कर सत्य की पताका को फहराया।

संक्षिप्त खबरें

आयुष्मान कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित

प्रखर सहजनवां। सहजनवां ब्लॉक मुख्यालय पर शनिवार को स्वास्थ्य मेला लगाकर आयुष्मान कार्ड लाभार्थियों को कार्ड वितरित किया गया साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड के लाभ के बारे में वृहद जानकारी दी गई तथा उन्हें जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवाने का सुझाव भी दिया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहजनवां के भाजपा विधायक प्रदीप शुक्ला रहे उन्होंने अपने संबोधन में लोगों को आयुष्मान कार्ड से होने वाले लाभ के बारे में भी वृहद जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित एक महिला द्वारा पहले से मिल रही पेंशन अब नहीं मिलने के सवाल को विधायक द्वारा अनसुना कर दिया गया। कार्यक्रम के उक्त अवसर पर खंड विकास अधिकारी रमेश शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख सहजनवां कमलदीप चौहान,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विकास सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष वंशीधर यादव सहित कर्मचारी एवं सैकड़ों कि संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

त्रिपदा पब्लिक स्कूल में संपन्न हुई व्यापारिक गोष्ठी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में आयोजित कुर्मी पाटीदार समाज गुजरात द्वारा "व्यापार द्वारा आर्थिक समृद्धि" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन त्रिपदा पब्लिक स्कूल गांगकला में शनिवार को हुई। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा लता ऋषि चंद्राकर ने कहाकि आज छोटे-छोटे समूहों को बनाकर करोड़ों का बिजनेस बहने कर रही हैं। आप भी अपने क्षेत्र में बहनों को आगे करते हुए ऐसे समूह का निर्माण करें। गुजरात से चलकर आए ए. के पटेल ने कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी निर्माण और समिति को कैसे संचालित किया जाए इसके बारे में बताया। गुजरात के प्रमुख उद्यमी सतीश भाई पटेल ने बड़े ही सरलता से क्रेडिट सोसाइटी निर्माण, लघु उद्योग एवं उनसे जुड़े हुए समस्त उद्योगों को वाराणसी एवं मिजार्पुर के लोगों को गुजरात में मुफ्त प्रशिक्षण का अवसर देकर एक प्रमुख उद्यमी बनने का संकल्प लिए। मिजार्पुर और वाराणसी जिले में एक-एक कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी का निर्माण करने का संकल्प लिया गया जिसमें सतीश भाई पटेल ने 11-11 लाख रुपये दोनों सोसाइटियों को देने का संकल्प भी लिए। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के संगठन मंत्री हरिशंकर सिंह पटेल ने मंच का संचालन किया और कहाकि समिति पूरे भारत में संचालित होगी जिसका शुरूआत वाराणसी और मिजार्पुर से हुआ है। वाराणसी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष एवं स्कूल के प्रबंध निदेशक कन्हैया लाल पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समिति पर विस्तार से चर्चा की।

पंचायती राज ग्रामीण कर्मचारी संघ के नवनिर्वाचित सदस्य को डा0 प्रदीप पाठक ने दिलाई शपथ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के नव निर्वाचित जिला पदाधिकारीयों का शपथ ग्रहण और स्वच्छता समारोह स्टार पैलेस खजूरिया में सम्पन्न हुआ। इस दौरान जिलाध्यक्ष के पद पर रोशन लाल, जिला महामंत्री अजय सिंह, जिला कोषाध्यक्ष विनोद चौधरी, जिला संगठन मंत्री, इम्तियाज अहमद, जिला संप्रेक्षक मुकेश कुमार रावत ने अपने अपने पद और गोपनीयता की शपथ लिया। मुख्य अतिथि एमएलसी विशाल सिंह चंचल के प्रतिनिधि डॉ प्रदीप पाठक ने नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारी को शपथ दिलाया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश श्रीवास्तव, पंचायती राज विभाग के लेखाकर जितेन्द्र सिंह और ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष सूर्यभान राय रहे। इस दौरान सफाई कर्मचारी संघ के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष रोशन लाल और जिला महा मंत्री अजय सिंह कुशवाहा ने कहा कि सफाई कर्मचारी साथियों के साथ हो रहे अन्याय को सफाई कर्मचारी संघ बर्दास्त नहीं करेगा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि सफाई कर्मचारी संघ के राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद सदैव साथ रहा है और भविष्य में सफाई कर्मचारियों की लडाई में कंधे से कन्धा मिलाकर साथ रहेगें। इस दौरान पंचायती राज विभाग के लेखाकर जितेन्द्र सिंह को पुनः सफाई कर्मचारी संघ का सर्व सम्मति से जिला संरक्षक मनोनित किया गया। इस दौरान जिला संरक्षक जितेंद्र सिंह ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की समस्यायों के लिए सदैव उपलब्ध रहूंगा। इसी दौरान महिला मोर्चा के जिला पदाधिकारीयों को भी मनोनित किया गया। जिसमें महिला मोर्चा की अध्यक्ष संतोषी राय, मंत्री जानकी कन्नौजिया, उप मंत्री सीमा, उपाध्यक्ष कुसुम चौबे, अंजू भारती, कांति वर्मा, वरिष्ट जिला उपाध्यक्ष पूनम गोस्वामी, को मनोनित किया गया।शपथ ग्रहण में प्रमुख रूप से प्रांतीय उपाध्यक्ष जयप्रकाश बिंद उर्फ गुड्डू, ब्लाक अध्यक्ष चंद्रिका राम, राजनाथ राम, शंकर वर्मा, रामसिंहासन राम पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अनिल कुमार, शिवकुमार, कृष्ण मुरारी, प्रेमचन्द चौधरी, अरविंद सिंह, सुभाष सिंह,ओंकारनाथ पांडे, आलोक राय, पवन पांडे, शिव प्रकाश त्रिपाठी, संजय यादव, सूर्यभान राय, शशि प्रकाश राय, मनीष राय, महेश भारती, कामेश्वर रावत, मंत्री जयप्रकाश भारती, कोषाध्यक्ष गजेन्द्र बिंद, नरसिंह प्रसाद, रियाज खां, पंचमी, रामप्यारे चौरसिया, राकेश कुमार राय, ललन प्रसाद, सुदेश कुमार, सुग्रीव राम, दिलीप, जवाहिर बिंद, फगुनी राम आलोक कुमार, अरूण कुमार, छीनाथ राम, विजय बहादुर पाल, राजू यादव सहित हजारों सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अनिल कुमार ने किया। अंत में जिलाध्यक्ष रोशन लाल ने उपस्थित सभी सफाई कर्मचारी साथियों एवं सम्मानित अतिथिगण का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया।

बारिश के मौसम में अपने कंफर्ट का ध्यान रखते हुए स्टाइलिश दिखना थोड़ा टफ होता है। लेकिन अगर आप कुछ बातों का ध्यान रखें तो इस सुहाने मौसम में आपका लुक भी प्यारा नजर आएगा। मानसून में आपके लिए किस तरह की ड्रेसेस के ऑप्शन रहेंगे बेस्ट, डिटेल में बता रहे हैं आपको।

रिमझिम फुहारों के मौसम में स्टाइलिश-कंफर्टेबल ड्रेसेस

ड्रेसअप / निधि गोयल

हालांकि सीजन के अनुसार हमारी ड्रेसअप बदल ही जाती है। लेकिन सीजन और कंफर्ट के अलावा स्टाइल का ध्यान रखना भी जरूरी होता है। इस लिहाज से मानसून में सब कुछ मेंटेन करने के लिए कई बातों को फॉलो करना होता है। इसके लिए आप ऑकेजन के हिसाब से अपने लिए ड्रेस सेलेक्शन कर सकती हैं। यहां कुछ ऐसे ही बेहतरीन ड्रेस ऑप्शंस के बारे में आपको बता रहे हैं।

नी लेंथ स्कर्ट टॉप

अगर आप किसी की बर्थ डे पार्टी या किसी सहेली के साथ गेट टूगेदर में जा रही हैं तो आप स्कर्ट के साथ टॉप भी पहन सकती हैं। लेकिन इस सीजन में स्कर्ट आप नी लेंथ तक लें तो सही रहेगा। इससे आपको उठने बैठने में कोई परेशानी नहीं होगी। साथ ही इस स्कर्ट-टॉप को आप कहीं भी आसानी से वियर कर सकती है और इसके भीगने या खराब होने के चांस भी कम रहेंगे। स्कर्ट फैब्रिक आप डेनिम या फिर कॉटन फैब्रिक में ले सकती हैं। इन दिनों स्ट्रेचेबल स्कर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। इन्हें पहनकर उठने-बैठने में बिल्कुल दिक्कत नहीं आती है। इसके साथ आप कोई भी स्टाइलिश टॉप पहन सकती हैं।

शॉर्ट जंप सूट

जंप सूट में भी इन दिनों आपको काफी रेंज मिल जाएगी। इनमें आप किस तरह का जंप सूट पहनना चाहती हैं, यह आप पर निर्भर करता है। वैसे बारिश के मौसम को देखते हुए इन दिनों शॉर्ट जंप सूट काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें शॉर्ट लेंथ वाली ड्रेस भी आती है, जो घुटनों से ऊपर होती है। इसके अलावा नी लेंथ जंप सूट भी मार्केट में उपलब्ध है। इस जंप सूट में आप बेहद स्टाइलिश और डिफरेंट दिखेंगी। इस सीजन के हिसाब से ये कॉटन फैब्रिक में आपको मिल जाएंगे। इसमें आपको गर्मी नहीं लगेगी और इसे पहनकर आप औरों से अलग भी नजर आएंगी।

निक्कर विद टॉप

इस सीजन में आप स्टाइलिश लुक के लिए निक्कर के साथ टॉप पहन सकती हैं। हालांकि यह ड्रेस टीनएज गर्ल्स पर ही ज्यादा सूट करता है। निक्कर को आप ज्यादा शॉर्ट नहीं पहनकर घुटनों से थोड़ा ही ऊंचा सेलेक्ट कर सकती हैं। इससे आपको इसे पहनने में ऑड फील नहीं होगा। निक्कर के साथ टॉप पहनने पर आपका लुक बिल्कुल डिफरेंट और मॉड नजर आता है। इस ड्रेस में बहुत सारी वैरायटीज आपको मार्केट में मिल जाएंगी। इसके साथ अपर वियर के तौर पर आप शर्ट कैरी कर सकती हैं, इसमें आपका लुक और भी स्टाइलिश नजर आएगा।

वन पीस

आजकल यंग और मिड एज वूमेन में वन पीस ड्रेस कैरी करने का खासा क्रेज देखने को मिल रहा है। बारिश के मौसम में भी इन्हें पहनना आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इन ड्रेसेस में आप घुटनों से कुछ नीचे लेंथ वाली वन पीस ड्रेस ही पहनें, जिसमें आप कंफर्टेबल महसूस कर सकें। इस सीजन में आप कॉटन बेस्ड वन पीस ड्रेस ही पहनें तो ज्यादा अच्छा रहेगा। इनमें बहुत सारे प्रिंट्स आपको मार्केट में मिल जाएंगे। वैसे रिमझिम फुहारों में फ्लोरल प्रिंट्स सबसे अच्छी लगती हैं।

कैपरी-टॉप

फुल लेंथ ड्रेस पहनकर बारिश के मौसम में जब भी आप घर से बाहर निकलती हैं तो आपको गंदगी वाले पानी, कीचड़ में ड्रेस के गंदा होने का डर बना रहता है। ऐसे में आप कैपरी के साथ टॉप पहन सकती हैं। कैपरी घुटनों से थोड़ी ही नीचे तक होती है तो इससे आपकी लोअर ड्रेस गीली और खराब नहीं होती है। कैपरी में आप स्टाइलिश भी दिखती हैं। लेकिन कैपरी खरीदते समय आप ध्यान रखें कि वह कॉटन बेस्ड फैब्रिक से बनी हो। इससे बारिश में गीले होने पर यह जल्द ही सूख जाएगी। इसके साथ आप टीशर्ट या फिर कोई भी स्टाइलिश टॉप खरीद सकती हैं, इससे आपको अट्रैक्टिव लुक मिलेगा। *

मेकअप / सरिता गुप्ता

डे टाइम फंक्शन के लिए परफेक्ट मेकअप

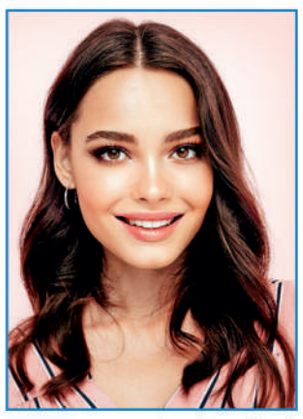

लगभग सभी महिलाओं को मेकअप करना पसंद होता है। लेकिन क्या आप मेकअप करते समय इस बात का ध्यान रखती हैं कि आपको दिन की पार्टी अटेंड करनी है या रात की? अगर नहीं तो मेकअप के दौरान इस बात का खास ध्यान रखना जरूरी है। अगर आप दिन की पार्टी अटेंड करने के लिए भी नाइट फंक्शन वाला मेकअप फॉलो करती हैं तो आप पार्टी में ऑड नजर आएंगी। ऐसा आपके साथ ना हो, इसके लिए आप कुछ मेकअप टिप्स फॉलो करें, जिससे डे टाइम पार्टी में भी आपका रूप निखरा-निखरा नजर आए।

मेकअप हो लाइट : दिन में किया जाने वाला मेकअप कम से कम यानी लाइट होना चाहिए, क्योंकि हैवी मेकअप नाइट लाइट्स में ही अट्रैक्टिव लगता है। डे टाइम फंक्शन में हैवी मेकअप आपकी इमेज को शाइनी के बजाय डल बना देगा।

यूज करें मैचिंग फाउंडेशन : मेकअप से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से धोएं, सूखने पर कॉटन बॉल को टोनर में भिगोकर उससे चेहरे को साफ करें। टोनर लगाने से चेहरे का किया गया मेकअप लॉन्ग लास्टिंग रहता है और फैलता भी नहीं है। हमेशा वही फाउंडेशन यूज करें, जो आपके फेस कलर से एक शेड लाइट हो। इससे चेहरा नेचुरल लगेगा। यह मेकअप रूल नाइट मेकअप के लिए भी आजमाएं। साथ ही फाउंडेशन के कलर का ही कॉम्पैक्ट पावडर यूज करें, पर रोजी ब्लश का यूज ना करें।

आइस मेकअप में न्यूट्रल शेड : डे फंक्शन मेकअप में काजल अप्लाई कर सकती हैं। इससे आपकी आंखों की खूबसूरती और बढ़ जाएगी। लेकिन दिन के समय आंखों पर मस्कारा ना लगाएं। इसके बजाय अपनी आंखों को आकर्षक बनाने के लिए किसी न्यूड या न्यूट्रल शेड का आईशैडो अप्लाई करें। दिन के समय शिमर आईशैडो का यूज ना करें।

न्यूड शेड लिपस्टिक : चूंकि डे फंक्शन के लिए हमेशा लाइट मेकअप बेस्ट होता है, इसलिए लिपस्टिक भी न्यूड कलर की ही लगानी चाहिए। अपने फेस को ग्लोइंग दिखाने के लिए लाइट लिप ग्लास का टच दे सकती हैं। अगर आप चाहें तो शिमर लिप ग्लास का भी यूज कर सकती हैं। लेकिन रेड या ब्राउन लिपस्टिक का यूज ना करें। *

डाइट एडवाइस

डॉ. शीला सहरावत, डायटीशियन

वैसे तो हर एज में बोंस हेल्थ को बेहतर रखने के लिए ध्यान देने की जरूरत होती है। लेकिन चालीस की उम्र के बाद महिलाओं को इस बारे में विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसके लिए कैसी हो आपकी डाइट, जानिए।

40+ में बोंस हेल्थ लें न्यूट्रिशस डाइट

आज के दौर में अधिकांश महिलाएं अपने करियर और घर-बाहर की व्यस्तताओं के चलते अपनी हेल्थ की अकसर अनदेखी कर देती हैं। यह सिलसिला सालों तक चलता रहता है। इस वजह से 40 की उम्र तक आते-आते महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं, खासकर उनकी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। इसलिए उन्हें 40 वर्ष की एज के बाद अपनी बोंस हेल्थ पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। यदि इस उम्र तक पहुंचने के बाद भी हड्डियों की एक्सट्रा केयर नहीं की गई तो आगे चलकर सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम्स उत्पन्न होने की आशंका बढ़ सकती है।

हो सकती हैं ये प्रॉब्लम्स: जरूरी ध्यान ना देने पर 40 की उम्र पार करने के बाद महिलाओं में हड्डियों से जुड़ी कुछ तकलीफें जैसे कमर में दर्द, जोड़ों में दर्द का सामना करना पड़ता है। आर्थराइटिस और ओस्टियोपोरोसिस भी महिलाओं में बोंस से रिलेटेड सबसे कॉमन समस्याएं हैं। आर्थराइटिस में जोड़ों में दर्द और सूजन आने लगती है। जबकि ओस्टियोपोरोसिस में हड्डियां कमजोर और भुरभुरी हो जाती हैं, जो जरा सी चोट में ही टूट भी सकती हैं।

ऐसी लें डाइट: चालीस की उम्र पार करने के बाद महिलाओं को अपनी बोंस हेल्थ के प्रति विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। दरअसल, इस एज में अगर आपकी बोंस वीक हो रही हैं तो इसका कारण शरीर में विटामिन डी की कमी के साथ-साथ कैल्शियम की कमी भी हो सकती है। ऐसे में कैल्शियमरिच डाइट के सेवन से शरीर की हड्डियों की मजबूती को बढ़ावा मिल सकता है। इसके साथ ही कैल्शियम जोड़ों में दर्द, आर्थराइटिस जैसी परेशानी को भी दूर कर सकता है। अगर आपकी हड्डियां कमजोर हैं तो विटामिन डी युक्त आहार का सेवन जरूर करें। इसके अलावा विटामिन डी की पूर्ति के लिए सुबह के समय धूप में कुछ देर जरूर बैठें।

इन पर भी करें अमल

- हड्डियों में दर्द से राहत पाने के लिए काजू, बादाम, अखरोट और किशमिश जैसे ड्राई फ्रूट्स को अपनी डेली डाइट में शामिल करें। ड्राई फ्रूट्स कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिनसे हड्डियों की मजबूती मिलती है।
- अपने दिन की शुरुआत हेल्दी नाश्ते से करें। साथ ही रोजाना 20-30 मिनट की एक्सरसाइज करना ना भूलें। दिन भर में कम से कम आधे घंटे के लिए किसी भी तरह की शारीरिक गतिविधि जरूर करें।
- 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को अपनी हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए कैल्शियमरिच डाइट जैसे दूध, दही, पनीर का सेवन करना चाहिए। इसके सेवन से शरीर की हड्डियों को मजबूती मिलती है और जोड़ों में दर्द, आर्थराइटिस जैसी परेशानी भी दूर करने में मदद मिलती है।
- हड्डियों की मजबूती के लिए खट्टे फल भी अवश्य खाएं। खट्टे फलों में विटामिन सी और कैल्शियम होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। *

अपने घर में किचेन गार्डेनिंग की शुरुआत करने के लिए बारिश का मौसम सबसे सही होता है। ऐसा क्यों माना जाता है और गार्डेनिंग से पहले किस तरह की तैयारियां जरूरी हैं, इस बारे में आपको यहां डिटेल में बता रहे हैं।

इस सीजन में आसानी से तैयार करें अपना किचेन गार्डेन

गार्डेनिंग / अनु आर.

अगर लंबे समय से आप सोच रही हैं कि आपका भी अपना किचेन गार्डेन होना चाहिए, तो यह मानसून इस सपने को साकार करने के लिए सबसे सही मौसम है। वैसे तो किसी भी मौसम में अपने किचेन गार्डेन की शुरुआत की जा सकती है, लेकिन मानसून में ऐसा करना दो वजहों से आसान होता है। एक तो पौधों के देखभाल की कम जरूरत पड़ती है, दूसरा यह ऐसा मौसम होता है, जिसमें आसानी से पौधे लग जाते हैं। इसलिए नए गार्डनर को इस मौसम में ही अपने किचेन गार्डेन को रेडी करने के बारे में सोचना चाहिए। जब आसमान में काली बदलियां छाने लगती हैं और चिलचिलाती गर्मी से राहत महसूस होने लगती है, वो समय गार्डेनिंग के लिए बेस्ट टाइम होता है, क्योंकि इस मौसम में पौधों की ग्रोथ सबसे अच्छी होती है। लेकिन जब भी किचेन गार्डेन शुरू करें तो उसकी सही जानकारी जरूरी है।

इन बातों की रखें जानकारी : सबसे पहले आपको यह जानना चाहिए कि किचेन गार्डेन के लिए अच्छी मिट्टी कैसे तैयार करते हैं? अगर ग्रो बैग में पौधे लगाने हों तो क्या करना चाहिए? गमले में पौधे लगाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? इस मौसम में पौधों को कब और कितना पानी देना चाहिए? उर्वरकों का इस्तेमाल करें या न करें? अगर इंडोर प्लांट्स लगाने हैं तो किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? कीटों से बचाव, ज्यादा बारिश में पौधों को सहारा देना, गार्डेन में शेड तैयार करना जैसी बातों की जानकारी लेने के बाद ही किचेन गार्डेन की शुरुआत करें।

ऐसे तैयार करें मिट्टी : मानसून के दौरान जब अपना किचेन गार्डेन तैयार करना हो तो सबसे पहले उर्वर मिट्टी तैयार करनी चाहिए। लेकिन यह मिट्टी मानसून की पहली बारिश होने के पहले ही तैयार कर लेनी चाहिए। अच्छी/उर्वर मिट्टी से मतलब यह है कि उसमें उर्वरकों का सही मिश्रण हो। इसके लिए 40 फीसदी सामान्य मिट्टी में 25 से 30 फीसदी गोबर की खाद मिला लें। गोबर की खाद न हो तो उसकी जगह वर्मी कंपोस्ट का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी में 20 फीसदी के आस-पास नारियल का बुरादा यानी कोकोपीट भी मिला लें और 10 फीसदी रेत भी मिला लें। इस तरह किचेन गार्डेन के लिए तैयार की गई मिट्टी, पौधों के लिए सबसे सही रहेगी।

प्लांट ग्रो बैग्स भी है ऑप्शन : बारिश के दिनों में किचेन गार्डेन शुरू करना हो तो ग्रो बैग का इस्तेमाल भी कर सकती हैं, क्योंकि इसमें पौधे ओवर वाटरिंग से आसानी से बच जाते हैं वरना मानसून में जब झमाझम बारिश होती है तो अधिक पानी की वजह से पौधों का बचे रहना मुश्किल हो जाता है। लेकिन इस बात को ध्यान रखना चाहिए कि ग्रो बैग के लिए उचित मात्रा में जलनिकासी बहुत जरूरी है। अगर मानसून में आपके ग्रो बैग में लगे पौधों में जल भराव हो जाता है तो चेक कर लें, कहीं उसका ड्रेनेज होल बंद तो नहीं है? अगर बंद है तो उसे खोलें। इस मौसम में पौधों को पानी देने से ज्यादा इस बात की जानकारी ज्यादा जरूरी होती है कि उनके आस-पास ज्यादा पानी ना हो, क्योंकि अगर कम पानी से पौधे मुरझाते हैं तो ज्यादा पानी से भी पौधे सड़ या गल जाते हैं।

कटाई-छंटाई भी करती रहें: बारिश के मौसम में चूंकि पौधों की ग्रोथ काफी तेज होती है, इसलिए अपने गमलों और ग्रो बैग की मिट्टी में ऑर्गेनिक खाद पौधे लगाने के कम से कम एक से डेढ़ हफ्ते पहले डाल दें ताकि यह खाद लगाए जाने वाले पौधों को सही तरह से मिल सके। बारिश के मौसम में ही आप अपने पौधों की काट-छांट भी आसानी से कर सकती हैं, क्योंकि इन दिनों बहुत जल्दी और बहुत आसानी से पौधों की ग्रोथ होती है। इस मौसम में पौधों की अतिरिक्त शाखाओं को काटने का फायदा यह होता है कि सारे पौधे सही शेप में ग्रो करते हैं। पौधों की कटाई-छंटाई के साथ एक तेज चाकू से लगातार उनके इर्द-गिर्द निराई-गुड़ाई भी करते रहना चाहिए।

गार्डेन शेड भी रखें तैयार : बारिश के मौसम में अगर घर के अंदर कई सारे इंडोर प्लांट्स लगे हैं तो उन्हें कुछ गैप के बाद घर के अंदर से निकालकर बाहर खुले में भी जरूर रखें। खासकर तब जबकि वे काफी दिनों से घर से बाहर ना निकाले गए हों। लेकिन इन्हें किचेन गार्डेन शेड के नीचे ही रखें क्योंकि इस मौसम में कभी भी तेज बारिश हो सकती है, जो पौधों के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

यहां बताई गई सभी बातों का ध्यान रखें तो आप आसानी से इस मौसम में अपना किचेन गार्डेन रेडी कर सकती हैं। *

हालांकि मई-जून की तीखी गर्मी तो अब नहीं पड़ रही है लेकिन उमस भरी गर्मी की वजह से स्किन चिपचिपी बनी रहती है। ऐसे में चेहरे को निखारने के लिए आप घर पर ही कुछ फेस पैक्स बनाकर अप्लाई कर सकती हैं।

उमस भरी गर्मी में भी चेहरा रहेगा खिला-खिला

ब्यूटी

साधना शर्मा, ब्यूटीशियन

चमकदार, खिले-खिले चेहरे की चाहत हर महिला को होती है। लेकिन बदलते मौसम का असर भी स्किन पर पड़ता ही है। ऐसे में चेहरे पर निखार बनाए रखना आसान नहीं होता है। इन दिनों पड़ रही उमस भरी गर्मी की वजह से स्किन अकसर ऑयली और डल नजर आती है। ऐसे में इसे ग्लोइंग बनाने के लिए महिलाएं ढेरों ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करती हैं। लेकिन कई बार ये कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स स्किन को नुकसान पहुंचा देते हैं। इनसे बचने के लिए आप घर में ही मिलने वाली कुछ चीजों से फेस पैक बनाकर अप्लाई कर सकती हैं। आइए जानें, किस तरह आप घर में ही फेस पैक्स बना सकती हैं?

बेसन-चंदन फेस पैक : इन दिनों जिस तरह की उमस वाली गर्मी पड़ रही है, उसमें अपनी त्वचा पर निखार लाने के लिए चंदन और बेसन का फेस पैक घर में ही बना सकती हैं। इसे बनाने के लिए एक बड़ा चम्मच बेसन में चुटकी भर हल्दी, थोड़ा-सा चंदन पावडर डालें। अब इसे मिक्स करने के लिए थोड़ी-सी दही और गुलाब जल की कुछ बूंदें मिला लें। इसे 10 से 15 मिनट के लिए फेस पर लगा रहने दें। उसके बाद धीरे-धीरे गोलाई में घुमाते हुए हटाएं। इससे फेस पर से टैनिंग हट जाएगी। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें।

खीरे-टमाटर का फेस पैक : इस गर्मी में स्किन बहुत ज्यादा टैन हो जाती है और इस वजह से बेहद रूखी भी नजर आती है। इसके लिए आप चेहरे पर खीरे और टमाटर का फेस पैक ट्राई कर सकती हैं। यह पैक फेस स्किन से टैनिंग को हटाकर बेजान त्वचा को खिला-खिला बनाता है। इस पैक को बनाने के लिए आप सबसे पहले खीरे और टमाटर को कद्दूकस कर लें। इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें, फिर इसके पेस्ट को कॉटन की सहायता से चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगा रहने दें, उसके बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।

नीबू-शहद फेस पैक: इस मौसम में बारिश के बाद निकलने वाली धूप बहुत तीखी होती है। इसमें कुछ देर रहने पर ही फेस पर टैनिंग हो जाती है। उसे दूर करने के लिए नीबू-शहद के फेस पैक को लगाएं। इसके इस्तेमाल से आपके चेहरे पर से जल्द ही टैनिंग खत्म हो जाएगी। इसे बनाने के लिए एक चम्मच शहद में कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिलाने के बाद चेहरे पर लगा लें। 15 या 20 मिनट लगे रहने के बाद चेहरे से हटाएं और पानी से चेहरा धो लें। आपका चेहरा खिल उठेगा।

एलोवेरा-गुलाब जल फेस पैक: उमस वाली गर्मी में फेस के लिए एलोवेरा और गुलाब जल का फेस पैक भी बहुत फायदेमंद होता है। क्योंकि यह पैक फेस को ठंडक पहुंचाकर उसे चमकदार और साफ-सुथरा बनाता है। इस पैक को

बनाने के लिए आप एक चम्मच एलोवेरा जैल में एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। अब इस मिश्रण को त्वचा पर 10 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें। आपका चेहरा ग्लो करने लगेगा। इस पैक को बनाने में कॉस्मेटिक एलोवेरा जैल के बजाय एलोवेरा के पौधे में से फ्रेश जैल को लें। *

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक संपन्न, विभिन्न मुद्दों पर बनी रणनीति

प्रखर गाजीपुर। शनिवार को समाजवादी पार्टी के जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर आयोजित हुई। इस बैठक में मतदाता सूची में बढ़ाने और संगठन को और मजबूत बनाने के साथ साथ जनता की मौजूदा समस्याओं पर गंभीर रूप से चर्चा की गयी। इस बैठक में दिनांक 10अक्टूबर को मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि,11आक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती और 12अक्टूबर को राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित करने का भी निर्णय लेने के साथ साथ पार्टी कार्यालय लोहिया भवन में मुलायम सिंह जी की प्रतिमा लगाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष ने तत्काल बूथ कमेटी तथा सदस्यता रशीद जमा करने की हिदायत दी । कार्यकताओं ने इस बैठक में लगातार फैल रहे डेंगू बुखार तथा अन्य संक्रामक बीमारियों,नगर सहित जनपद की तमाम टूटी फूटी सड़कों, अनियमित विधुत आपूर्ति,आये दिन जनपद में हो रहे अपराध और सड़क दुर्घटना पर योगी सरकार की जमकर खिंचाई करते हुए कहा कि योगी सरकार जनसमस्याओं और जनता के बुनियादी सवालों को हल करने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 27अक्टूबर को मतदाता सूची में नाम बढ़ाने के विशेष अभियान कार्यक्रम को गंभीरता से लेने का आह्वान करते हुए सभी कार्यकताओं से समाजवादी नेताओं के विचारों और पार्टी के कार्यक्रमों तथा अपनी सरकार की उपलब्धियों को लेकर गांव - गांव और घर -घर जाने का आह्वान किया और कहा मोदी-योगी सरकार चाहे जितना जुल्मों सितम कर लें आने वाले लोकसभा के चुनाव में उसकी हार तय है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के बढ़ती तानाशाही आपातकाल की याद दिला रही है।? आपातकाल में इंदिरा जी की ही की ही तरह मोदी सरकार भी सरकार की नीतियों और उनके विचारों से इत्तेफाक न रखने वाले नेताओं, पत्रकारों और कलाकारों को फर्जी मुकदमों में फंसाकर जेलों में डालने का काम कर रही है। उन्होंने कहा देश के राजनीतिक हालात काफी खराब है। मोदी -योगी जी की तानाशाही और जनविरोधी नीतियों के चलते देश प्रदेश का हर शख्स परेशान हैं। लगातार बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने जनता की कमर तोड़ कर रख दिया है। यह सरकार गरीबों के आंसू पोंछने में नाकाम साबित हुई है। इस सरकार ने अपना पूरा ध्यान सरकारी सम्पत्तियो को बेचकर अपने पूंजीपति साथियों के साथ अपनी तिजोरी भरने में लगा रक्खा है। इस बैठक में मुख्य रूप से पूर्व सांसद जगदीश कुशवाहा, पूर्व विधायक उमाशंकर कुशवाहा, प्रदेश कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य रामधारी यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ नन्हकू यादव, मारकन्डेय यादव,जमुना यादव, सिंकदर कन्नौजिया,मदन यादव, सदानंद यादव,डॉ सीमा यादव,रविन्द्र प्रताप यादव, अशोक कुमार बिंद, मुन्नीलाल राजभर, रामजन्म चौहान, बृजदेव खरवार,आशीष यादव उर्फ राहुल यादव,गोवर्धन यादव, तहसीन अहमद,जै हिंद यादव, राजेंद्र यादव, अवधेश यादव उर्फ राजू यादव, कमलेश यादव, विभा पाल,नस्सन खां, सत्या यादव,दिनेश यादव,राम जी सोनकर, शिववच्चन यादव,परशुराम बिंद, बलिराम यादव,रमेश गोड़ ,रामदरस पाल,रामदरस बनवासी,लाल जी राम, अदनान खां, उपेन्द्र यादव, राजेश यादव,भरत यादव,सूर्यनाथ यादव, रीना यादव, पूजा गौतम, गोविंद यादव, बांबी चौधरी, महेंद्र बिंद, शिवशंकर यादव, अजय यादव, अम्बिका यादव,पारस प्रजापति,रामकृत राजभर, रमेश यादव,कन्हैया यादव, गरीब राम,जगत मोहन बिंद,दारा यादव, राजेंद्र यादव, शिशु यादव आदि उपस्थित थे। इस बैठक का संचालन जिला सचिव एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले में निषेधाज्ञा लागू, पालन न करने पर धारा 144 के तहत होगी कार्यवाही

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि0/रा0) अरूण कुमार सिंह ने बताया है कि इस वर्ष हिन्दू समुदाय का प्रमुख पर्व महानवमी (दुगार्पूजा) व विजयादशमी, दीपावली, गोबर्धन पूजा, भैयादूज, डाला छठ का पर्व तथा कार्तिक पूर्णिमा का पर्व पड़ रहा है। विजयादशमी व डाला छठ के दिन जगह-जगह पर मेले का आयोजन भी होता है, जिसमें काफी भीड़-भाड़ होती है। विजयादशमी, दीपावली व छाला छठ हिन्दू समुदाय का महत्वपूर्ण त्यौहार हैं। इन अवसरों पर जगह-जगह पर मेले का आयोजन भी होता है, जिसमें काफी भीड़-भाड़ होती है। दीपावली से पूर्व धनतेरस के दिनांक पुरूष एवं महिलाएं देर रात तक बर्तन एवं आभूषणों की खरीददारी करते हैं। इस अवसर पर असामाजिक तत्वों द्वारा अशान्ति एवं उन्माद फैलाने का प्रयास किया जा सकता है तथा व्यवधान डालकर शान्ति व्यवस्था भंग करने की आशंका है, जिससे जन - जीवन एवं जन सम्पत्ति को नुकसान हो सकता है। उक्त त्यौहारों के अवसर पर कभी-कभी शान्ति व कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाती है। वर्तमान समय में प्रदेश के अन्य जनपदों में कानून व्यवस्था व विभिन्न मुद्दों को लेकर धरना एवं प्रदर्शन हो रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए उक्त त्यौहारों को सकुशल एवं शान्ति पूर्वक सम्पन्न कराने तथा कानून एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत जनपद में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू करना आवश्यक है। अतएव उक्त परिस्थितियों में लोक व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से जनहित में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा--144 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि/रा) अरूण कुमार सिंह, ने गाजीपुर जनपद के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में निम्नलिखित निषेधाज्ञा तात्कालिक प्रभाव से लागू किया है। तात्कालिक आवश्यकता के महत्व को देखते हुए उक्त आदेश पारित करने के पूर्व आम नागरिकों को व्यक्तिगत या सामूहिक सूचना देकर सुनवाई हेतु पर्याप्त समय नहीं है, इस स्थिति में प्रश्नगत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है। आदेश के किसी अंश का उल्लंघन भा०द०वि० की धारा 188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा। किसी सार्वजनिक स्थान पर पांच या पांच से अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे और न ही गैर कानूनी सभा करेंगे तथा न ही ऐसे स्थान पर प्रदर्शन व अनशन आदि का आयोजन करेंगे। कोई भी व्यक्ति या लाइसेंस धारक अपना लाइसेंसी असलहा लेकर किसी भी परिस्थिति में विचरण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थान पर किसी प्रकार का आग्नेयास्त्र धारदार हथियार, विस्फोटक पदार्थ, तेजाब या लाठी एवं बल्लम आदि और आक्रमण होने वाले अस्त्र लेकर नहीं चलेगा और न कोई ऐसा अस्त्र, किसी सार्वजनिक स्थान पर एकत्र करेगा और न प्रदर्शित करेगा। ऐसे वृद्ध अथवा अपंग जो बिना छड़ी लाठी के नहीं चल सकते हैं तथा जो सरकारी कर्मचारी ड्यूटी आदि पर तैनात होंगे, वे इस प्रतिबन्ध से मुक्त होंगे। कोई व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह जुलूस या गिरोह बनाकर किसी सार्वजनिक वाहन या मार्ग पर सामान्य आवागमन में कोई अवरोध नहीं करेगा, न ऐसी चेष्टा करेगा और न ही समूह या जुलूस बनाकर सार्वजनिक मार्गों पर चलने वाले वाहनों या अन्य सरकारी जन सम्पत्तियों की कोई तोड़-फोड़ करेगा या न उन्हें अन्य प्रकार से हानि पहुंचायेगा। दो पहिया वाहनों पर एक साथ अधिकतम दो व्यक्ति ही चल सकेंगे। कोई भी व्यक्ति गलत खबरें या अफवाहें, जिससे शान्ति भंग होने की आशंका हो सकती है, नहीं फैलायेगा और न किसी प्रकार ऐसी अफवाहों को किसी अन्य माध्यम से किसी दूसरे व्यक्ति के पास भेजेगा। कोई भी व्यक्ति अपने मकान के छत पर या सार्वजनिक स्थान पर ईंट, कंकड़, पत्थर अथवा किसी भी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ एकत्र नहीं करेगा और न ही किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई ऐसा नारा लगायेगा और न ही कोई ऐसा भाषण करेगा और न कोई ऐसा पोस्टर लगायेगा जिससे विभिन्न सम्प्रदायों, धर्मों या वर्गों के बीच द्वेष की भावना फैले या शान्ति भंग होने की आशंका हो। कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक वाहन या मार्ग पर सामान्य आवागमन में कोई अवरोध नहीं करेगा, न ऐसी चेष्टा करेगा और न ही समूह या जुलूस बनाकर सार्वजनिक मार्गों पर चलने वाले वाहनों या अन्य सरकारी जन सम्पत्तियों की कोई तोड़-फोड़ नहीं करेगा या न उन्हें अन्य प्रकार से हानि पहुंचायेगा।

संक्षिप्त

तुर्की सेना ने 26 वाईपीजी सदस्यों की हत्या की

अंकारा, (एजेंसी)। तुर्की सुरक्षा बलों ने उत्तरी सीरिया में सीरियाई कुर्द पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) के हमले की जवाबी कार्रवाई में 26 कुर्द आतंकवादियों को मार गिराया है। यह जानकारी तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को दी। वाईपीजी ने गुरुवार देर रात उत्तरी सीरिया में तुर्की सेना के यूफ्रेट्स शील्ड ऑपरेशन जोन में दाबिक बेस क्षेत्र पर हमला शुरू कर दिया जिसके बाद तुर्की ने जवाबी कार्रवाई की।

कनाडा ने अपने डिप्लोमैट्स को मलेशिया-सिंगापुर भेजा

नई दिल्ली। कनाडा ने भारत से अपने ज्यादातर डिप्लोमैट्स को सिंगापुर और मलेशिया भेज दिया है। कनाडा के ब्रॉडकास्ट मीडिया सीटीवी न्यूज ने इसकी पुष्टि की है। कनाडा ने उतने ही डिप्लोमैट्स का ट्रांसफर किया है, जितने दोनों देशों में संख्या बराबर करने जरूरी हैं। दरअसल, भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को बताया था कि कनाडा से उनके डिप्लोमैट्स हटाने के लिए कहा गया है, ताकि दोनों देशों में बराबर राजनयिक हों।

अस्पताल में बदला बच्चा अस्पताल किया गया सील

कुशीनगर (ब्यूरो)। जिले के पडरौना शहर के जटहां रोड पर संचालित जीवनदीप चाइल्ड सेंटर में अस्पताल प्रशासन की गंभीर लापरवाही से एक परिवार का बच्चा बदलने की घटना के बाद जिला प्रशासन ने अस्पताल को सील करा दिया है। मामला कोतवाली थानाक्षेत्र का है, जहां गुरुवार देर रात एक परिवार ने अस्पताल प्रशासन पर बच्चा बदलने का आरोप लगाते हुए जबरदस्त हंगामा किया। पीड़ित पक्ष का आरोप था कि रुपए लेकर उसे बेटे की जगह बेटी दे दी गई है।

त्रिपुरा हाईकोर्ट ने निचली कोर्ट को किया अलर्ट

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण अवलोकन में कहा कि आपराधिक मामलों में बेल नहीं जेल का सामान्य नियम एनडीपीएस यूएपीए में दर्ज मामलों पर लागू नहीं होता है। जस्टिस अरिंदम लोध ने आदेश में कहा कि एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत जमानत देने के लिए कड़ी शर्तें निर्धारित की गई हैं, इसलिए ऐसे मामलों में बेल एक अपवाद बन जाती है, नियम नहीं।।

आज का इतिहास

- 1586: मुगल सेना ने कश्मीर में प्रवेश किया।
- 1737: बंगाल में 20 हजार छोटे जहाज के समुद्र में 40 फीट नीचे डूबने से तीन लाख लोगों की मौत।
- 1840: विलेम द्वितीय नीदरलैंड का राजा बना।
- 1868: अमेरिका में कोर्नोल विवि खुला। इसमें 412 विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था जो उस समय की सबसे बड़ी संख्या थी।
- 1907: भारत के स्वतंत्रता संग्राम में क्रान्तिकारियों की प्रमुख सहयोगी दुर्गा भाभी का जन्म।
- 1919: गांधीजी की 'नवजीवन' पत्रिका प्रकाशित।
- 1922: प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष बली राम भगत का जन्म।
- 1942: यूएस व ब्रिटिश सरकार ने यूएन की स्थापना की घोषणा की।

दिल्ली शराब नीति मामले में आप को आरोपी बनाएगी ईडी

सुप्रीम कोर्ट को देगी जानकारी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद एक बड़ी जानकारी सामने आई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया है कि संजय सिंह दिल्ली शराब नीति बनाने में शामिल थे। इसके लिए उन्हें मोटा कमीशन मिला था। सूत्रों के मुताबिक, नए सबूत मिलने के बाद ईडी ने सीबीआई को चिट्ठी लिखी थी और इसकी जानकारी दी थी। संजय सिंह को ईडी ने बुधवार को गिरफ्तार किया।

सूत्रों ने बताया है कि प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली शराब नीति घोटाले में आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाने पर कानूनी विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही कहा था कि जब कथित शराब घोटाले का पैसा पार्टी को मिला है, तो उसे आरोपी क्यों नहीं बनाया गया है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए ईडी ने फैसला किया है कि वह जल्द ही आप को इस मामले में आरोपी बनाएगी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट को गुरुवार 5 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा: इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पहले ही ईडी से पूछा था कि वह ये बताए कि अगर आम आदमी पार्टी को कथित तौर पर शराब घोटाले से फायदा हुआ और उसे पैसा मिला है, तो फिर प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) मामले में आरोपी क्यों नहीं बनाया गया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवी भट्टी की पीठ ने सीबीआई और ईडी की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कोर्ट में ये सवाल पूछा।

आप को मिला मोटा कमीशन

ईडी कर रही कानूनी विचार

पीठ ने पूछा, जहां तक पीएमएलए का सवाल है, आपका पूरा मामला यह है कि अपराध का पैसा एक राजनीतिक दल को गया। वह राजनीतिक दल अभी भी आरोपी नहीं है। आप इसका जवाब कैसे देंगे? सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई चल रही थी, जो दिल्ली शराब नीति घोटाले में आरोपी हैं। सिसोदिया ने याचिका दायर जमानत की मांग की थी, ताकि वह अपनी बीमार पत्नी से मिल पाएं।

ईडी नया प्रोपेगेंडा कर रही: आतिशी

वहीं, दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा है कि अगर ईडी आप को आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है, तो इसका मतलब हुआ कि 15 महीनों से जो जांच चल रही थी। उसके जरिए मनीष सिसोदिया या फिर किसी और के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। आतिशी ने कहा कि कम से कम एक तो सुबूत वो देश के सामने रखें कि अगर कुछ मिला है तो वह लोग देख पाएं। संजय सिंह के घर पर क्या मिला। कुछ नहीं मिला। एक तरह से ईडी एक नया प्रोपेगेंडा कर रही है।

पुतिन बोले-बुरेवेस्तनिक मिसाइल टेस्ट में सफल

मॉस्को, (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि उनके देश ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल का अंतिम सफल परीक्षण किया है। बीबीसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी उनके प्रवक्ता द्वारा न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट को खारिज करने के बाद दी, जिसमें कहा गया था कि बुरेवेस्तनिक नामक हथियार का परीक्षण आसन्न था प्रायोगिक हथियार, जिसकी घोषणा पहली बार 2018 में की गई थी, को संभावित असीमित रेंज वाला कहा गया है।

पी-20 सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के बाद अब 12 अक्टूबर से तीन दिवसीय पी-20 शिखर सम्मेलन हो रहा है जिसमें जी-20 के सदस्यों के साथ ही 30 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे और पीएम नरेंद्र मोदी इस वैश्विक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को यहां संसद भवन परिसर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पी-20 शिखर सम्मेलन 12, 13 और 14 अक्टूबर को यहां इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर-यशोभूमि में आयोजित किया जाएगा।

9 अक्टूबर को लखनऊ में धरना प्रदर्शन के लिए शिक्षकों ने बनाई रणनीति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माध्यमिक शिक्षक संघ जिला इकाई की बैठक शनिवार को अष्ट शहीद इंटर कालेज मुहम्मदाबाद में जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षा निदेशक कार्यालय लखनऊ में आयोजित धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने की रणनीति तय की गई। प्रांतीय मंत्री चौधरी दिनेश चंद्र राय ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ में नौ अक्टूबर को धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने जिले के शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता का आह्वान किया। श्री राय ने कहा कि पुरानी पेंशन की बहाली, चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 12, 18 एवं 21 की व्यवस्थाओं को यथावत अधिनियमित रूप में माध्यमिक शिक्षा अधिनियम में समाहित किये जाने,

वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन एवं सेवा शर्तें लागू किए जाने, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा अनुमन्य किए जाने, वंचित तदर्थ शिक्षकों का विनियमितिकरण एवं बकाया बेतन भुगतान किए जाने सहित विभिन्न मार्गों को लेकर राज्य सरकार को पूर्व प्रेषित ज्ञापन पर कोई कार्रवाई नहीं होने तथा अन्य घटक संगठनों की माँगों को लेकर उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ के आवाहन पर नौ अक्टूबर बेसिक शिक्षा निदेशालय, विद्याभवन निशातगंज, लखनऊ में विशाल धरना का आयोजन किया गया है। धरने में उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ, उ०प्र० शिक्षक महासंघ एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी के अलावा उप्र शिक्षक महासंघ के घटक संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में सम्मलित होगें। बैठक में चौधरी दिनेश चन्द्र राय, नारायण उपाध्याय, सौरभ पाण्डेय, प्रकाश चन्द्र दूबे, राणाप्रताप सिंह, डॉ रियाज अहमद, अमित कुमार राय, रत्नेश कुमार राय, जयशंकर राय, सत्येन्द्र सिंह, शैलेन्द्र यादव, सूर्यप्रकाश राय, अविनाश गौतम, उमेश चन्द्र राय, अनिल दूबे, अमित यादव, प्रदीप वैश्य, रविन्द्र तिवारी, मनोज सिंह, विष्णु शंकर पाण्डेय, दीपक खरवार आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता शिवकुमार सिंह तथा संचालन प्रत्यूष त्रिपाठी ने किया।

2 फर्जी उंगली के क्लोन, 2 आधार कार्ड समेत साईबर अपराधी गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मोहम्मदाबाद पुलिस ने दो फर्जी उंगली चिन्ह के क्लोन, एक एन्ड्रायड मोबाईल सेट तथा दो आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलत हासिल की है। इसके साथ ही पुलिस ने उसके कब्जे से दो असली आधार कार्ड व दस हजार रुपये नकद बरामद कर लिया। बताते चलें कि पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान अन्तर्गत शुक्रवार को सायं करीब पौने सात बजे क्षेत्र के सलेमपुर स्थित यूनियन बैंक ग्राहक सेवा केन्द्र से लगभग 50 कदम की दूरी पर मौजूद संदिग्ध शातिर अपराधी को धर दबोचा।

पुलिस ने उसके कब्जे से दो फर्जी अंगुल चिन्ह का क्लोन, एक एन्ड्रायड मोबाईल फोन ओप्पो रेनो-7 प्रो 5जी, दो आधार कार्ड छायाप्रति, जिसमे एक फर्जी व एक असली आधार कार्ड व दस हजार रुपये नकद बरामद किया। गिरफ्तार अभियुक्त पंकज कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद ग्राम नेनोरा थाना नवादा जिला नवादा बिहार का निवासी है। अभियुक्त द्वारा किये गये अपराध के सम्बन्ध में थाना पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के सुपुर्द किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सन्तोष कुमार यादव, आरक्षी विकास मौर्या व अजीत भारतीया थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

मेरी माटी मेरा मेरा देश कार्यक्रम अंतर्गत देवकली में हुआ मिट्टी, चावल का एकत्रीकरण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम शनिवार को देवकली ब्लॉक मे आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता देवकली ब्लॉक के खण्ड विकास अधिकारी गिरीश वर्मा ने किया इसी क्रम मे उन्होंने ने बताया की जो मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम चल रहा है हर गांव मे हर घर से मिट्टी और छुटकी भर चावल इक्क्ठा किया गया जो आज ब्लॉक पे इक्क्ठा किया गया है यहां से जिला मुख्यालय जायेगा और वहां से लखनऊ और दिल्ली जायेगा। इसी क्रम मे आज देवकली ब्लॉक के ग्राम पंचायतों के 21 वीर शहीद और स्वतंत्रता सेनानी और उनके परिवार के सदस्यों माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र दे कर सभी को सम्मानित किया गया, खण्ड विकास अधिकारी , इस अवसर पर सभी स्वतंत्रता सेनानी और वीर शहीदों को अपना धन्यबाद ज्ञापित किया।

वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने की तीर्थयात्रियों के लिए वर्चुअल दर्शन की शुरुआत

जम्मू, (ब्यूरो)। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने जम्मू कश्मीर के रियासी जिले के त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित मां वैष्णो देवी के भवन की ओर जाने वाले पांच स्थानों पर कियोस्क स्थापित करके प्राकृतिक गुफा के माध्यम से आभासी दर्शन की शुरुआत की है। जो तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए एक और ऐतिहासिक कदम है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने कहा कि वैष्णो देवी भवन की ओर आने वाले विभिन्न स्थानों पर तीर्थयात्री पवित्र प्राकृतिक गुफा और माता रानी के वर्चुअल दर्शन कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्री 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस शारदीय नवरात्रि में केवल 101 रुपये का डिजिटल भुगतान करके वीआर हेडसेट के माध्यम से एक अद्वितीय अनुभव का आनंद ले सकते हैं। कियोस्क निहारिका भवन (कटरा), सेरली हेलीपैड, अर्धकुवारी, पार्वती भवन और दुर्गा भवन में उपलब्ध होंगे। श्री गर्ग ने बताया कि तीर्थयात्री अक्सर दर्शन के लिए एक पुरानी पारंपरिक प्राकृतिक गुफा को खोलने की मांग करते हैं, जिसे साल में केवल एक बार खोला जाता है।

इस वर्ष सितंबर तक 73 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र गुफा मंदिर में पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या हर महीने बढ़ती जा रही है, इस साल सितंबर तक 73 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने गर्भगृह में दर्शन किए। यह मंदिर जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित है। उम्मीद है कि इस साल यात्रा का आंकड़ा एक करोड़ के करीब हो सकता है। पिछले वर्ष की तुलना में, इस वर्ष श्री माता वैष्णो देवी की तीर्थयात्रा हर महीने बढ़ रही है और यदि यात्रा का यही क्रम जारी रहा, तो इस वर्ष की यात्रा का आंकड़ा एक करोड़ के करीब पहुँच जाएगा।

छात्रसंघ बहाली को लेकर तीनों महाविद्यालय के छात्रों ने की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार को स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज के प्रांगण में छात्रसंघ बहाली को लेकर के तीनों महाविद्यालय पीजी कॉलेज, स्वामी सहजानंद व हिन्दू पीजी कॉलेज की एक संयुक्त छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ छात्र नेताओं के नेतृत्व में बैठक किया गया और उस बैठक में मुद्दा छात्रसंघ बहाली व लोकनायक बलिया से चल कर गाजीपुर होते हुए महामना वाराणसी तक जाने वाली पदयात्रा जो गाजीपुर में नौ तारीख को आने वाली है उसे सफल बनाने हेतु सभी पूर्व छात्रसंघ के पदाधिकारी व वरिष्ठ छात्रनेतागण ने अपनी बात रखी। सभी ने छात्र नेताओं ने एक स्वर में सरकार से छात्रसंघ बहाली की मांग कि है और मांग पूरी नहीं होने पर सभी छात्र सड़क पर उतरकर संघर्ष करने को बाध्य होंगे। बैठक का संचालन कर रहे पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने कहा कि छात्र संघ चुनाव राजनीति की नर्सरी है और सरकार को इसे बढ़ावा देना चाहिए ना कि छात्रों का शोषण करना चाहिए। बैठक में उपस्थित तीनो महाविद्यालयों के छात्रनेतागण में सिध्दांत सिंह करन, दीपक उपाध्याय, अभिषेक राय, डॉ समीर सिंह, सत्येन्द्र यादव सत्या,दिनेश यादव, बिट्टू सिंह कुशवाहा, प्रद्युम्न सिंह यादव राजन, अभिषेक यादव, विपुल मिश्रा, निमेष पाण्डेय, मनीष चौधरी, शशांक उपाध्याय, संदीप राय,शिवम सिंह कुनाल,पिंटू यादव,शिवम उपाध्याय, अविनाश राय,ऋषभ राय, रणजीत यादव, सत्यपाल यादव, राकेश यादव, गोविन्द सिंह यादव, देवेन्द्र यादव, शैलेश यादव, विकास यादव,अनुज कुमार, बृजेश सिंह, सुधांशु तिवारी, अतुल यादव, ओजस्व साहु, प्रदीप यादव, विवेक राय, नागेन्द्र कुशवाहा, अभिषेक द्विवेदी, राहुल यादव जरगो,राजू यादव,प्रिस, अभिषेक गौण,निलेश बिन्द,धीरज सिंह,रोशन सिंह राहुल यादव, कमलेश गुप्ता, धन्नजय कुशवाहा, ईश्वर यादव, रविप्रकाश, निखिल राज, विधानचंद्र राय,राजू पाण्डेय, धर्मेंद्र कुमार,अभय, राकेश यादव आदि छात्र मौजूद रहे।

डीएम संग एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस अंतर्गत सुनी समस्याएं किया निस्तारण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील कासिमाबाद में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमे 126 शिकायत प्राप्त हुए और मौके पर 11 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातों तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 381 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 38 शिकायत पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील जखनियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 37 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें 07 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 32 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें से 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 77 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें मौके 04 का निस्तारण किया गया। तहसील मोहमम्दाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 51 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें से 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 29 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 03 का निस्तारण किया गया एवं तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 28 शिकायत प्राप्त 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कासिमाबाद, तहसीलदार कासिमाबाद, क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में आज पहुंचेगी शौर्य यात्रा, विहिप और बजरंग दल ने की प्रेस कांफ्रेंस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। काशी प्रान्त की शौर्य जागरण यात्रा संतो की उपस्थिति व प्रान्त संयोजक सत्यप्रकाश सिंह के नेतृत्व में सोनभद्र के ज्वाला देवी मंदिर शक्तिनगर से 30 सितंबर से चलकर 8 अक्टूबर को गाजीपुर पहुंचेगी। इस शौर्य जागरण यात्रा का उद्देश्य आज के युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है। इस बात की जानकारी पत्रकार भवन पर बजरंगदल व विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त प्रेसकांफ्रेन्स में विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने दी है। इस दौरान विनोद उपाध्याय ने बताया कि अभी तक लोग मुगल और अंग्रेजों के इतिहास के बारे में पढ़ा है। लेकिन हमारे देश के बलिदानी वीर शहीदों के बारे में आज के युवा नहीं जानते है। उनको इस शौर्य जागरण यात्रा के माध्यम से बताने और जगाने का कार्य किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सनातन धर्म पर हो रहे कुठाराघात पर चर्चा करते हुए कहा 5 हजार साल से भी ज्यादा पुराना सनातन है। ऐसे में सनातन पर कुठाराघात बर्दास्त नहीं करेंगे। वहीं उन्होंने बताया कि शौर्य जागरण यात्रा सोनभद्र से चलकर विभिन्न जिला से होते हुए 8 अक्टूबर को गाजीपुर आएगा। जहां यात्रा को गाजीपुर के जांगीपुर में रिसीव किया जाएगा। इस यात्रा का समापन 10 अक्टूबर को वाराणसी के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रांगण में विशाल जनसभा के रूप में परिवर्तित होगा और उसके बाद वहीं पर इस यात्रा का समापन होगा।

19वें एशियन गेम्स 2023 में हॉकी के फाइनल मुकाबले में जापान को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष टीम।

भारतीय टीम का प्रदर्शन

मैच खेले	07
जीते	07
हारे	00
गोल दागे	68
गोल खाए	09

एशियाड के इतिहास में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पदक

- स्वर्ण: 1966, 1998, 2014, 2023
- रजत: 1958, 1962, 1970, 1974, 1978, 1982, 1990, 1994, 2002
- कांस्य: 1986, 2018

एशियन गेम्स में भारत के रिकॉर्ड 100 पदक पक्के

अब तक 22 स्वर्ण, 34 रजत और 39 कांस्य समेत कुल 95 पदक जीते, 7 पदक मिलना तय

हांगझोउ,(एजेंसी)। चीन में खेले जा रहे 19 वें एशियाई गेम्स में भारत के अब तक 22 स्वर्ण, 34 रजत और 39 कांस्य समेत कुल 95 पदक हो गए हैं। वहीं भारत के कबड्डी, तीरंदाजी, हॉकी, बैडमिंटन और क्रिकेट में कुल सात पदक पक्के हैं, इनके इवेंट्स होने के बाद भारत शनिवार को पहली बार एशियाई खेलों के इतिहास में सौ पदक पार कर लेगा।

भारत ने पिछली बार जकार्ता में 70 पदक जीते थे, जिसमें 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य थे। इस बार निशानेबाजों ने 22 और एथलेटिक्स में 29 पदक आए हैं, जिससे भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सका। 13वें दिन भारत ने एक स्वर्ण, दो रजत और 6 कांस्य पदक सहित नौ पदक पदक जीते।

भारतीय पहलवानों ने जीते तीन पदक: टोक्यो ओलंपियन सोनम मलिक, एशियाई चैंपियन अमन

सहरावत और किरण बिश्नोई ने कुश्ती में अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक जीते, मगर फ्रीस्टाइल पहलवान बजरंग पुनिया 65 किग्रा कुश्ती वर्ग में जापान के कैकी यामागुची से कांस्य पदक मुकाबले में हार गए। रेसलिंग मेडल टैली में पदकों की संख्या बढ़कर पांच (सभी कांस्य पदक) हो गई है। भारतीय पहलवान सोनम मलिक ने महिलाओं के फ्रीस्टाइल 62 किग्रा मुकाबले में चीन की लोंग जिया को हराकर कांस्य पदक जीता। बजरंग पुनिया ने 65 किग्रा में अपने पहले दो मुकाबलों में एक भी अंक गंवाए बिना अपने खिताब को डिफेंड करने के अभियान की अच्छी शुरुआत की थी। टोक्यो 2020 के कांस्य पदक विजेता ने क्वार्टरफाइनल में बहरीन के अलीबेग सैगिडगुसेन अलीबेगोव पर 4-0 से जीत से पहले अपने राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर फिलीपींस के रोनिल टुबोग को हराया था। पुनिया सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और मौजूदा एशियाई चैंपियन ईरान के रहमान अमौजादखलीली से भिड़े, जहां वह 8-1 से हार गए। इसके बाद भारतीय पहलवान कांस्य पदक मुकाबले में कैकी यामागुची से हारकर बाहर हो गए।

13वें दिन के पदक विजेता खिलाड़ी

- भारतीय पुरुष हॉकी टीम: स्वर्ण
- वुमेंस रिकर्व तीरंदाजी (अंकिता भकत, भजन कौर और सिमरनजीत कौर): कांस्य
- मेंस सिंगल्स बैडमिंटन (एचएस प्रणॉय): कांस्य
- सेपक टकरा महिला रेगु टीम: कांस्य
- इंडिया पुरुष रिकर्व तीरंदाजी टीम (अतनु दास, धीरज बोम्मदेवरा और तुषार शेल्के): रजत
- भारतीय पहलवान सोनम (महिला फ्रीस्टाइल 62 किग्रा): कांस्य
- किरण (कुश्ती में महिलाओं की फ्रीस्टाइल 76 किग्रा): कांस्य
- ब्रिज (तोलानी राजू, अजय प्रभाकर, राजेश्वर तिवारी और सुमित मुखर्जी): रजत
- कुश्ती में अमन (पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल): कांस्य

पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	187	104	62	353
जापान	46	57	62	165
दक्षिण कोरिया	36	49	84	169
भारत	22	34	39	95
उज्बेकिस्तान	20	18	26	64
चीनी ताइपे	17	16	25	58
उत्तर कोरिया	11	17	10	38
थाईलैंड	10	14	30	54
बहरीन	10	3	5	18
कजाकिस्तान	9	18	41	68

13वें दिन भारत ने जीते नौ पदक

19वें एशियन गेम्स के 13वें दिन भारत ने एक स्वर्ण, दो रजत और 6 कांस्य पदक सहित नौ पदक पदक जीते। भारत अब टूर्नामेंट में पदक का शतक पूरा करने से पांच पदक दूर हैं। 13वें दिन शुक्रवार को भारत को पुरुष हॉकी टीम ने स्वर्ण दिलाया। इससे पहले महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने कांस्य पदक जीता।

पाकिस्तान टीम का विजयी आगाज

वनडे वर्ल्डकप: नीदरलैंड को 81 रन से हराया, हारिस के तीन विकेट

हैदराबाद, (एजेंसी)। मोहम्मद रिजवान (68) और मैन ऑफ द मैच सऊद शकील (68) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद धारदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने शुक्रवार को नीदरलैंड को 81 रन से हराकर क्रिकेट विश्व कप में अपने अभियान का आगाज किया।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में सभी विकेट खोकर 286 रन बनाए। जिसके जवाब में नीदरलैंड की पूरी टीम 41 ओवर में 205 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान एक समय मात्र 38 रन पर फखर जमान (12),इमाम उल हक (15) और बाबर आजम (5) का विकेट गंवा कर मुश्किलों में फंस गया था मगर रिजवान और सऊद ने नीदरलैंड के गेंदबाजों का संयम से सामना करते हुये टीम के स्कोर को 158 रन पर पहुंचाया जबकि बाद में मोहम्मद नवाज (39) और शादाब खान (32) ने स्कोर को चुनौतीपूर्ण बनाने में महती भूमिका निभायी। पुछल्ले शाहीन शाह अफरीदी (13 नाबाद) और हारिस रउफ (16) ने आखिरी ओवरों में तेज रफ्तार से रन बनाने की कोशिश की मगर पूरी टीम 49 ओवर में 286 रन बना कर पवेलियन लौट गई। नीदरलैंड के बास डलीडे (62 रन पर चार विकेट) सर्वाधिक असरदार गेंदबाज बन कर उभरे। इसके अलावा कालिन एकरमैन ने बाबर आजम और हासिद रउफ के विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज विक्रमजीत सिंह (52) और हरफनमौला ब्रास डलीडे (67) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज ज्यादा समय तक क्रीज पर नहीं टिक सका। छह बल्लेबाज अपने निजी स्कोर में दहाई के अंक तक भी पहुंचने में नाकाम रहे। डलीडे सबसे ज्यादा प्रभावशाली दिखे जिन्होंने अर्धशतकीय पारी खेलने से पहले पाकिस्तान के चार बल्लेबाजों को आउट किया। नीदरलैंड की पारी को समेटने में हारिस रउफ (43 रन पर तीन विकेट) और हसन अली (33 रन पर दो विकेट) की भूमिका अहम रही ।

शकील ने वर्ल्डकप के डेब्यू मैच में जड़ा अर्धशतक

सऊद शकील (68) ने वनडे वर्ल्ड कप में अपना डेब्यू करते हुए मोहम्मद रिजवान (68) के साथ मिलकर 120 रन की शतकीय साझेदारी की। सउदी ने पहले 32 गेंदों पर अपने 50 रन पूरे किए। यह उनके वनडे करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी रही। यह उनके वनडे क्रिकेट करियर का दूसरा अर्धशतक है। शकील जुलाई, 2021 में वनडे डेब्यू करने के बाद वह सिर्फ 7 मैच खेल पाए हैं। इनमें केवल 144 रन बना पाए हैं। इसके उलट वह टेस्ट में 7 मैचों में से प्रत्येक में 50 से अधिक का स्कोर करने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

बांग्लादेश- अफगानिस्तान के बीच होगी भिड़ंत

धर्मशाला। टूर्नामेंट से पहले अंदरूनी मतभेद का सामना करने वाली बांग्लादेश की टीम शनिवार को जहां जब अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करेगी तो इस मुकाबले के काफी रोमांचक होने की उम्मीद है। सफेद गेंद के प्रारूप में बांग्लादेश की टीम काफी प्रतिस्पर्धी है लेकिन हाल में टीम के दो सबसे बड़े खिलाड़ियों कप्तान शाकिब अल हसन और तमीम इकबाल के बीच मतभेद खुलकर सामने आए और टीम को इससे उबरना होगा।

श्रीलंका - दक्षिण अफ्रीका जीत से शुरुआत करने उतरेंगे

नई दिल्ली। चोटों से जूझ रही दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमों को उम्मीद होगी कि उनके अनुभवी खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और शनिवार को यहां दोनों टीम के बीच होने वाले विश्व कप मुकाबले को जीतकर विजयी शुरुआत करेंगे। दक्षिण अफ्रीका की टीम चोटिल तेज गेंदबाजों एनरिच नोर्खिया और सिसांडा मगाला के बिना उतरेगी जबकि श्रीलंका को सीमित ओवरों के उसके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा की सेवाएं नहीं मिलेंगी। श्रीलंका के मुख्य तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा और लाहिरू मदुशंका भी चोटिल हैं। नोर्खिया की गैरमौजूदगी में टीम अनुभवी कागिसो रबादा और गेराल्ड कोएट्जी पर काफी निर्भर करेगी।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	रन	गेंद	4/6
फखर जमान कै.एवं बो. वैन बीक	12	15	3/0
इमाम-उल-हक कै.दत्त बो. मीकरेन	15	19	2/0
बाबर आजम कै. साकिब बो. ऐकरमैन	05	18	0/0
मोहम्मद रिजवान बो. डलीडे	68	75	8/0
सऊद शकील कै. साकिब बो. दत्त	68	52	9/1
इफ्तिखार अहमद कै. एडवर्ड्स बो. डलीडे	9	11	1/0
मोहम्मद नवाज रन आउट	39	43	4/0
शादाब खान बो. डलीडे	32	34	2/1
हसन अली पगबाधा डलीडे	00	01	0/0
शाहीन शाह अफरीदी नाबाद	13	12	2/0
हारिस रउफ कै. एडवर्ड्स बो. ऐकरमैन	16	14	2/1

अतिरिक्त: 9, **कुल:** 49 ओवर में 286 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-15, 2-34, 3-38, 4-158, 5-182, 6-188, 7-252, 8-252, 9-267, 10-286 **गेंदबाजी:** आर्यन दत्त 10-0-48-1, लोगन वैन बीक 6-0-30-1, कॉलिन ऐकरमैन 8-1-39-2, पॉल वैन मीकरेन 6-0-40-1, बास डलीडे 9-0-62-4 , रुलॉफ वैन डर मर्व 6-0-36-0, विक्रमजीत सिंह 2-0-16-0, साकिब जुल्फिकार 2-0-15-0.

नीदरलैंड	रन	गेंद	4/6
विक्रमजीत सिंह कै. जमान बो. शादाब	52	67	4/1
मैक्स ओडाउड कै. शाहीन बो. हसन	05	12	1/0
कॉलिन ऐकरमैन बो. इफ्तिखार	17	21	3/0
बास डलीडे बो. नवाज	67	68	6/2
एन अनिल तेजा कै. जमान बो. रउफ	5	9	1/0
स्कॉट एडवर्ड्स पगबाधा रउफ	00	02	0/0
साकिब जुल्फिकार पगबाधा शाहीन	10	18	1/0
रुलॉफ वैन डर मर्व रन आउट	04	07	0/0
लोगन वैन बीक नाबाद	28	28	3/1
आर्यन दत्त बो. हसन	01	02	0/0
पॉल वैन मीकरेन बो. रउफ	7	12	1/0

अतिरिक्त: 9, **कुल:** 41 ओवर में 205 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-28, 2-50, 3-120, 4-133, 5-133, 6-158, 7-164, 8-176, 9-184, 10-205 **गेंदबाजी:** शाहीन शाह अफरीदी 7-0-37-1, हसन अली 7-1-33-2, हारिस रउफ 9-0-43-3, इफ्तिखार अहमद 3-0-16-1, मोहम्मद नवाज 7-0-31-1 , शादाब खान 8-0-45-1 .

भारतीय युवा क्रिकेट टीम ने फाइनल में किया प्रवेश

एशियन गेम्स: सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से शिकस्त दी

हांगझोउ,(एजेंसी)। एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट के पहले सेमीफाइनल में शुक्रवार को भारत ने तिलक वर्मा के 26 गेंदों में नाबाद 55 रनों की आतिशी पारी और वॉशिंगटन सुंदर की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश को नौ विकेट से हराकर फाइनल में पहुंच गया है। इसी के साथ इस स्पर्धा में भारत का कम से कम रजत पदक पक्का हो गया है। पुरूष क्रिकेट मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर नौ विकेट पर 96 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए बांग्लादेश की ओर से सबसे अधिक नाबाद 24 रन जाकिर अली ने बनाए तथा परवेज हुसन ने 23 रन का योगदान दिया।

इन दोनों के अलावा सिर्फ राकिबुल हसन 14 रन ही दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। बांग्लादेश के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए भारत की ओर से रवि साई किशोर ने तीन विकेट लिए। वॉशिंगटन सुंदर को दो विकेट मिले। अर्शदीप सिंह, तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई और शाहबाज अहमद को एक-एक विकेट मिले।

भारत ने 97 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हालांकि शून्य के स्कोर पर अपना पहला विकेट यशस्वी जायसवाल के रूप में गंवा दिया था। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा ने पारी संभाली है। दोनों बल्लेबाज तूफानी बल्लेबाजी करते हुए विकेट के चारों ओर रन बटोरे। दोनों के बीच हुई 95 रनों की साझेदारी ने भारतीय टीम को 9.2 ओवर में आसानी से जीत दिला दी। बांग्लादेश की ओर से रिपोन मोंडल को 26 रन देकर एक विकेट मिला।

शुभमन गिल बुखार से पीड़ित

वर्ल्डकप: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना मुश्किल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बुखार से पीड़ित हैं, जिसके कारण उनका आठ अक्तूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे वर्ल्डकप के मुकाबले में खेलना मुश्किल है। बुखार की वजह से शुभमन बुधवार और गुरूवार को अभ्यास के लिए नहीं आए थे। टीम प्रबंधन को उम्मीद शुभमन को फ्लू से अधिक कुछ ना हो।

बीसीसीआई ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, मेडिकल टीम उनकी कड़ी निगरानी और जांच कर रही है, हम उम्मीद करते हैं कि वह जल्दी ठीक हो जाएं। शुभमन 72 की औसत और 105 के स्ट्राइक रेट के साथ इस वर्ष एकदिवसीय मैचों में 1230 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। पिछले चार एकदिवसीय मुकाबले में उन्हें दो शतक और एक अर्धशतक बनाया हैं। शुभमन अगर रविवार के मैच के उपलब्ध नहीं होते है ऐसी स्थिति में उनकी जगह कप्तान रोहित शर्मा के साथ इशान किशन सलामी बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं।

अक्टूबर में फैमिली के साथ एक्सप्लोर करें ये हसीन जगहें, यादगार बनेगा आपका सफर

अक्टूबर महीने में कई हिंदू त्योहार मनाए जा रहे हैं। अक्टूबर के महीने में दुर्गा पूजा, दशहरा आदि की लंबी छुट्टियां होती हैं। इन छुट्टियों में आप अपने परिवार के साथ अच्छा और बेहतरीन समय बिता सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने परिवार के साथ कहीं घूमने जाने की योजना बना रहे हैं, अक्टूबर का महीना सबसे अच्छा है। क्योंकि इस महीने में ना तो बहुत ज्यादा गर्मी होती है और ना ही ज्यादा सर्दी होती है। वहीं इस महीने में मानसून भी खत्म हो जाता है। ऐसे में आपका सफर ज्यादा अच्छा रहेगा। वैसे तो भारत में घूमने के लिए कई बेहतरीन जगह हैं। इस महीने में आप ना सिर्फ अपने पार्टनर बल्कि अपने बच्चों व परिवार के सदस्यों के साथ घूमने की योजना बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अक्टूबर महीने में घूमने के लिए कुछ बेहतरीन पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं। कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। कश्मीर बेहद खूबसूरत जगह है। यहां की हसीन वादियों के अलावा आप झील के किनारे परिवार के साथ कुछ सुकून का समय बिता सकते हैं। अक्टूबर महीने में कश्मीर का मौसम बहुत ज्यादा सर्द नहीं होता है। हांलाकि पहलगाम और गुलमर्ग में इस महीने में ठंड शुरू हो जाती है। आप पहाड़ों पर बर्फ देख सकते हैं। लेकिन कश्मीर की झीलों में बर्फ नहीं जमती और ना ही बर्फबारी के कारण रास्ते बंद होते हैं। ऐसे में अक्टूबर महीने में आप कश्मीर की हसीन वादियों में घूमने जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश सुंदर और प्राकृतिकता से भरा हुआ है। यहां पर बहुत सारे धार्मिक स्थल भी हैं। ऐसे में अगर आप भी रोमांचक सफर पर जाना चाहते हैं, तो हिमाचल आपके लिए एक परफेक्ट जगह साबित होगी। अक्तूबर के महीने में आप शिमला, मनाली, कुल्लू की वादियों में घूम सकते हैं। इस महीने में इन सारी जगहों का मौसम शुष्क और मनोहर होता है। वहीं पहाड़ों पर हल्की ठंड भी महसूस होने लगती है। वैसे तो राजस्थान को गर्म शहर के तौर पर जाना जाता है। लेकिन इस राज्य में घूमने के लिए अक्टूबर का महीना सबसे उपयुक्त है। इस महीने से राजस्थान का मौसम अच्छा होने लगता है। ऐसे में अगर आप अक्टूबर के महीने में राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो किले व महलों की सैर के दौरान आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। इस महीने में जोधपुर, जैसलमेर और उदयपुर मुख्य आकर्षण का केंद्र होते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए केरल बहुत ही अच्छी जगह है। यहां पर आप खूबसूरत घाट और तटों के पास सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। इसके अलावा आप आयुर्वेदिक उपचार, मालिश आदि का भी आनंद ले सकते हैं। यहां पर घूमने आने के लिए अक्टूबर का महीना सबसे ज्यादा उपयुक्त है। आप यहां पर कवॉटरिंग, बूट सफारी, और एलिफेंट राइडिंग जैसी चीजें कर सकते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में

नई राहें

घर बैठे करें इस तरह गवर्नमेंट एग्जाम की तैयारी

समय-समय पर विभिन्न सरकारी पद पर पर निकलने वाली भर्तियों के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है। लगभग सभी वैकेंसी के लिए प्रवेश परीक्षा पास करना जरूरी होता है. यूं तो हर पद और विभाग के मुताबिक प्रवेश परीक्षा का फॉरमेट, सिलेबस, प्रश्न सब अलग होते हैं लेकिन उनकी तैयारी के समय कुछ पॉइंट्स हैं जिनका ध्यान रखकर आप परीक्षा में सफलता पा सकते हैं। इसलिए अगर कोई कोचिंग ज्वॉइन नहीं की है और घर से ही तैयारी कर रहे हैं तो इन बातों का रखें विशेष ख्याल।

पहला स्टेप

किसी भी परीक्षा में सफलता हासिल करने के लिए जरूरी है सही स्टडी मैटीरियल का इंतजाम। एग्जाम का सिलेबस देखें और हर विषय के लिए सही किताबें, नोट्स आदि इकट्ठा कर लें। स्टडी मैटीरियल को लेकर कंफ्यूज न हों और सोच-समझकर किताबें चुनें और अंत कर उन्हीं से पढ़ें। ज्यादा किताबें मतलब ज्यादा कंफ्यूजन और नो तैयारी। इस मामले में इंटरनेट आपकी मदद कर सकता है। यहां से आप ई बुक से लेकर, प्रैक्टिस क्वैश्चंस और मॉक टेस्ट तक सब अरेंज कर सकते हैं। यहां तक कि टाइम टेबल कैसे बनाएं इसमें भी मदद पा सकते हैं।

मॉक टेस्ट करते हैं मदद

आप तैयार के लिए बहुत से वर्चुअल ग्रुप और क्लासेस फ्री में ज्वॉइन कर सकते हैं। इनसे तैयारी करें और सिलेबस, स्टडी मैटीरियल के बाद एग्जाम पैटर्न समझ लें। इससे तैयारी करने में मदद मिलेगी। कैसे सवाल आते हैं, किस तरह के सवाल ज्यादा आते हैं, ये देख लें। इसके बाद देखें कि आपको किस एरिया में ज्यादा दिक्कत है, किसमें आसानी से अंक हासिल हो सकते हैं। इसी के हिसाब से टाइम टेबल बनाएं।

करेंट अफेयर्स जरूरी

किसी भी परीक्षा की तैयारी बिना करेंट अफेयर्स के नहीं हो सकती। इसके लिए अपडेटेड रहें। कोई ग्रुप ज्वॉइन कर लें जहां रोज के रोज इस बारे में अपडेट आते रहें। नेशनल, इंटरनेशनल न्यूज, गवर्नमेंट पॉलिसीज, सोशियो इकोनॉमिक डेवलेपमेंट आदि पर पैनी निगाह रखें। इनके नोट्स बनाते चलें जो अंत में बहुत काम आते हैं।

टाइम मैनेजमेंट

किसी भी परीक्षा में सफल होने के लिए टाइम मैनेजमेंट और राइटिंग प्रैक्टिस बहुत जरूरी है। जब तैयारी एक लेवल पर पहुंच जाए तो खूब मॉक टेस्ट दें। इससे पता चलेगा कि कहां कमी है। समय का ध्यान रखें और शुरू से ही समय के अंदर पेपर खत्म करने की कोशिश करें। रोज के रोज रिवीजन करें और पिछला पक्का होने के बाद ही आगे बढ़ें. लेकिन इसमें समय का विशेष ध्यान रखें। इन टिप्स का ध्यान रखकर आप परीक्षा की तैयारी में मदद पा सकते हैं। ●

एयरफोर्स में भी इस तरह दे सकते हैं अपने भविष्य को नई उड़ान

12वीं के बाद पायलट बनने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि साइंस स्ट्रीम में 10+2 पूरा किया हो। हालांकि अब कई पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ऐसे हैं जो कॉमर्स के स्टूडेंट्स को भी एडमिशन देने लगे हैं। वहीं बात करें उम्र सीमा की तो भारत में पायलट बनने के इच्छुक छात्रों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 17 साल होनी चाहिए। पायलट बनने के लिए आपको फिटनेस और मेडिकल सर्टिफिकेट भी देना होता है।

पायलट 5 तरह के होते हैं।

एयरलाइंस ट्रांसपोर्ट पायलट, प्राइवेट पायलट, स्पोर्ट्स पायलट, फ्लाइट इंस्ट्रक्टर, एयरफोर्स पायलट। हर पायलट की पढ़ाई के लिए इंस्टीट्यूट्स अलग-अलग हो सकते हैं। 12वीं के बाद पायलट बनने के लिए Commercial Pilot Training प्रोग्राम में दाखिला ले सकते हैं। इसके लिए एंट्रेंस एग्जाम पास करने होते हैं। इसके लिए प्रवेश परीक्षा के अलावा, इंटरव्यू राउंड और मेडिकल टेस्ट देना होता है। 12वीं के बाद 15 से 20 लाख रुपये खर्च करके आप विदेश जाकर भी पायलट की ट्रेनिंग ले सकते हैं।

इंडियन एयरफोर्स

इंडियन एयरफोर्स में पायलट बनने के लिए NDA परीक्षा पास करनी होगी। यह एक सुनहरा अवसर होता है जो 12वीं के बाद पायलट बनाने में मदद करता है। 3 साल का कोर्स पूरा करने के बाद आपको फ्लाइंग ट्रेनिंग में भी भाग लेना होगा। इसके बाद आप स्थायी कमीशन अधिकारी के रूप में काम करेंगे। ●

रेडियो के क्षेत्र में रखें सुनहरे भविष्य की नींव

हमारे देश में बड़े से बड़े शहरों से लेकर दुर्गम स्थानों जैसे लेह, लद्दाख तक अगर किसी एक चीज की पहुंच है तो वो है रेडियो। हम सब इस शब्द से अच्छी तरीके से वाकिफ होंगे। आपने रेडियो पर विभिन्न प्रोग्राम्स सुने होंगे और उनको होस्ट करते हुए एंकर या जॉकी की आवाज भी सुनी होगी। उनकी आवाज में कुछ अलग होता है। अगर आपमें में भी बात करने की कला और अच्छी आवाज है रेडियो का क्षेत्र आपके लिए बहुत ही शानदार है। आप इस क्षेत्र में आसानी से अपने बेहतर करियर का निर्माण कर सकते हैं। अगर आप एंकर या रेडियो जॉकी नहीं बनना चाहते तब भी आप इस क्षेत्र में उपलब्ध कोर्सेज करके अन्य पद जैसे म्यूजिक मैनेजर, प्रोड्यूसर, प्रोग्राम डायरेक्टर, कंटेंट राइटर, साउंड इंजीनियर, न्यूज रीडर, रेडियो रिपोर्टर बनकर भी अपना सपना पूरा कर सकते हैं।

कोर्सेज

रेडियो में करियर बनाने के लिए आप 12वीं के बाद ही इसकी शुरुआत कर सकते हैं। इस क्षेत्र में ग्रेजुएशन और पोस्ट-ग्रेजुएशन डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट सभी तरीके के कोर्स उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में मौजूद कुछ कोर्सेज निम्नलिखित हैं-

-बैचलर्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन
-मास्टर्स ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन
-डिप्लोमा इन रेडियो प्रोग्रामिंग एवं ब्रॉडकास्ट मैनेजमेंट
-डिप्लोमा इन रेडियो प्रोडक्शन एवं रेडियो जॉकी
-पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रेडियो एन्ड ब्रॉडकास्ट मैनेजमेंट
-सर्टिफिकेट कोर्स इन रेडियो जॉकिंग
-डिप्लोमा इन मास कॉम्युनिकेशन
-पीजी डिप्लोमा इन मास कॉम्युनिकेशन

रोजगार

आज हर छोटे से बड़े शहर में रेडियो स्टेशन स्थापित हैं। बहुत से प्राइवेट रेडियो चैनल एवं एफएम चैनल अपने यहां इन लोगों को हायर कर करते हैं।

इसके अलावा सरकारी रेडियो चैनल्स के लिए भी समय-समय पर भर्तियां निकाली जाती हैं जहां आप अप्लाई कर सकते हैं। आप यहां रेडियो जॉकी के अलावा रेडियो प्रोग्राम के लिए स्टोरी राइटिंग, एड राइटिंग करने के साथ ही रेडियो प्रोडक्शन और ब्राडकास्टिंग आदि से भी जुड़ सकते हैं। ●

अच्छी दोस्ती भी बदल सकती है पर्सनेलिटी

अच्छी और मजबूत दोस्ती न केवल आपकी इमोशनल हेल्थ के अच्छी होती है बल्कि ये आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ा सकती है। अच्छी दोस्ती से आपको इमोशनल सपोर्ट, प्रोत्साहन और पॉजीटिव फीडबैक मिलती है, जो आपको खुद पर और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करने में मदद कर सकती है। अच्छे दोस्त कैसे आपकी पर्सनेलिटी बदलने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे एक पॉजीटिव फ्रेंडशिप कैसे आपका कॉन्फिडेंस बूस्ट करने में मदद करती है।

इमोशनल सपोर्ट

आपके मुश्किल समय में दोस्त आपके साथ हो सकते हैं। जब आपको इमोशनल सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत है, दोस्त ही आपकी बातों को सुनते हैं और मदद करते हैं। मुश्किल वक्त में

अकेले होने की बजाय किसी का साथ आपको मेंटली सपोर्ट करता है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस मजबूत होता है। जब आपको लगता है कि आपके पास ऐसे लोग हैं जो आपकी परवाह करते हैं और आपके लिए हैं, तो आपको खुद पर और ज्यादा विश्वास करते हैं।

प्रोत्साहन मिलता है

दोस्त आपके सबसे बड़े चीयरलीडर्स हो सकते हैं, जो आपको अपने सपनों को पूरा करने और नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जब आपके पास ऐसे दोस्त होते हैं जो आप पर विश्वास करते हैं, तो यह आपको खुद पर भी विश्वास करने में मदद मिलती है। अच्छे दोस्त आपको रिस्क लेने के लिए आगे बढ़ाते हैं।

पॉजीटिव फीडबैक

दोस्तों से आपको पॉजीटिव फीडबैक मिलती है, जिससे आप और बेहतर करने के लिए आगे बढ़ते हैं। जब आपके दोस्त आपकी ताकत और उपलब्धियों को पहचानते हैं, तो इससे आपको भी सकारात्मर एहसास मिलता है। इससे आप उन क्षेत्रों में ज्यादा बेहतर तरीके काम करते हैं, जिनके बारे में एक्सपर्ट होते हैं।

अनुभव साझा करना

दोस्त आपके साथ अनुभव साझा करके आपको ज्यादा कॉन्फिडेंट फील करने में मदद कर सकते हैं। ●

ये हैं टॉप हाईएस्ट सैलरी वाली गवर्नमेंट जॉब

भारत में ज्यादातर युवा सरकारी नौकरी का सपना देखते हैं। अगर आप भी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं तो आपको देश के टॉप गवर्नमेंट जॉब्स के बारे में जान लेना चाहिए। यहां देश के टॉप 5 हाईएस्ट सैलरी वाली नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं।

आईएएस – भारत में सबसे ज्यादा सैलरी एक आईएएस ऑफिसर को मिलती है। इसमें सेलेक्ट होने वाले कैंडिडेट्स की शुरुआत में बेसिक सैलरी 56,100 रुपये होती है। साथ ही अन्य सरकारी भत्तों का लाभ भी मिलता है। इस पोस्ट पर मैक्सिमम सैलरी 2,50,000 रुपये तक होती है। यही वजह है कि यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा को देश की सबसे कठिन एग्जाम कहा जाता है।

IFS- भारतीय विदेश सेवा यानी IFS के लिए चुने गए कैंडिडेट्स की सैलरी भी आईएएस ऑफिसर जैसी ही होती है। इसमें भी शुरुआती बेसिक सैलरी 56,100 रुपये होती है। इसमें यात्रा, स्वास्थ्य, आवास समेत कई भत्ते मिलते हैं। यह जॉब इंटरनेशनल मामलों में देश को रिप्रजेंट करने के लिए होता है।

IPS- यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा के बाद सेलेक्ट होने वाले कैंडिडेट्स आईपीएस ऑफिसर के तौर पर सेलेक्ट होते हैं। एक आईपीएस ऑफिसर की बेसिक सैलरी 56,100 रुपये से शुरू होती है। इसमें 8 साल के अनुभव होने पर 1 हर महीने 1,31,000 रुपये तक की सैलरी होती है।

RBI Grade B- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में ग्रेड बी की जॉब भी हाईएस्ट सैलरी वाली होती है। इसमें शुरुआती सैलरी 67000 रुपये होती है। साथ ही अन्य सरकारी भत्तों का लाभ भी मिलता है। इस पोस्ट पर सेलेक्ट होने वाले कैंडिडेट्स आगे जाकर देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी बन सकते हैं।

Judge- भारत में न्यायाधीश बनने के पास जितनी बड़ी जिम्मेदारी होती है, उनकी सैलरी भी उतनी ही शानदार होती है। हाईकोर्ट के जज को हर महीने 2,25,000 रुपये सैलरी मिलती है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के जज की सैलरी 2.50 लाख रुपये होती है। साथ ही अन्य सरकारी भत्तों का लाभ भी मिलता है। ●

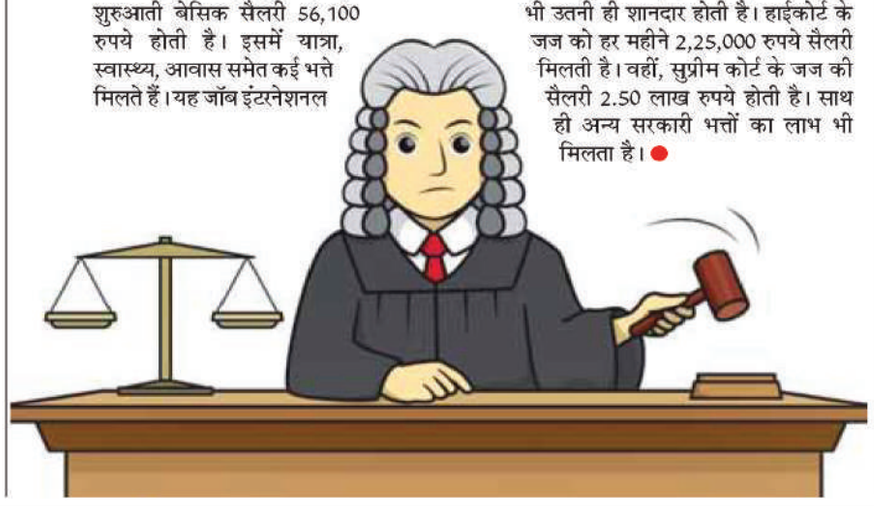

ये है दुनिया का सबसे बड़ा पुलिस विभाग

किसी भी जगह की शांति और चैन कायम रखने की जिम्मेदारी पुलिस की होती है। ये पुलिस का काम ही होता है कि संबंधित स्थानों पर आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण रहे और कानून व्यवस्था बनी रहे। हालांकि कई बार ऐसे किस्से भी सामने आते हैं, जब लोगों पुलिस के खिलाफ अपनी नाराजगी जताते हैं। लोगों का कहना होता है कि पुलिस समय पर नहीं पहुंची। किसी भी आपराधिक मामले में पुलिस ने लापरवाही बरती। वहीं, कई जगहों पर Police डिपार्टमेंट की तारीफें भी होती रहती हैं। ऐसे में इन ऑफिसर के काम और शिकायतों का दौर चलता रहा है। इसके बीच में हम आपको बताने जा रहे हैं कि देश ही नहीं बल्कि दुनिया में सबसे बड़ा पुलिस विभाग कहां स्थित हैं। आइए जानते हैं।

न्यूयॉर्क का पुलिस विभाग है दुनिया का सबसे बड़ा डिपार्टमेंट

अमेरिका की न्यूयॉर्क पुलिस विभाग दुनिया का सबसे बड़ा पुलिस डिपार्टमेंट है। यहां 36000 ऑफिसर है और 19 हजार सिविलियन कर्मचारी हैं। यह विभाग 1845 में स्थापित किया गया था। इसके साथ ही, यह सबसे पुराने विभाग में भी शामिल है।

ऐसे करते हैं काम

न्यूयॉर्क पुलिस ने नेबरहुड पुलिसिंग पर भी खास जोर दिया है। इसके तहत पुलिस अधिकारी लोगों के बीच पहुंच उनसे कम्युनिकेट कर उनकी समस्याओं को सॉल्व करते हैं। ●

GENERAL KNOWLEDGE

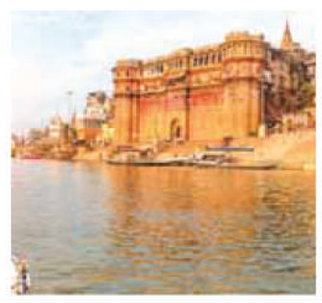

-**भारत** की सबसे लंबी नदी कौन सी है?
उत्तर-भारत की सबसे लंबी नदी गंगा है।
-कौन सी नदी अपनी सहायक नदी मेघना के साथ प्रसिद्ध सुंदरवन डेल्टा बनाती है?
उत्तर- गंगा अपनी सहायक नदी मेघना के साथ प्रसिद्ध सुंदरवन डेल्टा बनाती है।
-कौन सी नदी हिंदुओं द्वारा पवित्र मानी जाती है और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है?
उत्तर-गंगा हिंदुओं द्वारा पवित्र मानी जाती है और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
-कौन सी नदी दक्षिण गंगा के नाम से जानी जाती है?
उत्तर- गोदावरी नदी दक्षिण गंगा के नाम से जानी जाती है।
-कौन सी नदी वृद्ध गंगा (बड़ी गंगा) के नाम से जानी जाती है?
उत्तर- गोदावरी नदी वृद्ध गंगा (बड़ी गंगा) के नाम से जानी जाती है।
-कौन सी नदी केरल राज्य की जीवन रेखा है?
उत्तर-पेरियार नदी केरल राज्य की जीवन रेखा है।
-किस नदी को राजस्थान की जीवन रेखा कहा जाता है?
उत्तर-चम्बल नदी राजस्थान की जीवन रेखा कहा जाता है।
-किस नदी को बिहार का शोक कहा जाता है?
उत्तर-कोसी नदी को बिहार का शोक कहा जाता है।
-भारत की नदियां में कौनसी है पुरुष नदी?
उत्तर-भारत की नदियां में ब्रह्मपुत्र पुरुष नदी है।
-भारत में ब्लू सिटी के नाम से किस शहर को जाना जाता है।
उत्तर-जोधपुर
-सूर्य एक क्या है।
उत्तर- तारा ●

अपनी कला और संस्कृति के लिए विदेशों में मशहूर हैं ये राज्य

दुनिया भर में भारत ही है जो अपनी समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है। कितने की शासक आए और चले गए, लेकिन यहां की कला और संस्कृति की जड़ों को खत्म नहीं कर पाए। यहां हर राज्य और शहर की अपनी विशेषता है, जो पर्यटकों को अपनी तरफ खींचती है। देश के इन्हीं खूबसूरत राज्यों में शामिल है राजस्थान, जिसकी भव्यता, मजबूत किले और प्रकृति के रंग विदेशी पर्यटकों को खूब लुभाते हैं। आज हम आपको राजस्थान के एक ऐसे ही शहर के बारे में बता रहे हैं, जिसे कहा जाता है येलो सिटी ऑफ इंडिया. आइए जानते हैं इसकी खासियतें..। हम बात कर रहे हैं जैसलमेर शहर के बारे में, जो येलो सिटी के नाम से जाना जाता है. । वर्ल्ड फेमस टूरिस्ट स्पॉट थार रेगिस्तान के बीच बसे जैसलमेर के फोर्ट और रेगिस्तान पर्यटकों के बीच काफी फेमस है। यह सुनहरा शहर राजस्थानी लोकगीत और नृत्य के लिए भी काफी लोकप्रिय है।

गोल्डन फोर्ट

जैसलमेर में एक ऐसा फोर्ट है, जिसे सोनार किला के तौर पर जाना जाता है। राजपूत शासक राव जैसल द्वारा निर्मित यह किला दुनिया के सबसे बड़े किलों में से एक है। यहां लोग सिर्फ इसे देखने के लिए देश-दुनिया से आते हैं। जैसलमेर में पटवा हवेली, बड़ा बाग, लक्ष्मीनाथ मंदिर, जैन मंदिर, थार रेगिस्तान आदि और भी कई लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं।

थार की सुनहरी रेत

त्रिकुटा पहाड़ी पर निर्मित यह किला कई लड़ाइयों का गवाह रहा है। इस अनोखे किले की दीवारें तीन परतों से बनी हैं। इस किले में कभी राजघरानों का बसेरा हुआ करता था। रेगिस्तान के बीच होने के कारण इसे रेगिस्तान का दुर्ग भी कहते हैं। अपनी शानदार स्थापत्य कला, शिल्प और नक्काशी के कारण देश के सभी किलों में अपना अहम स्थान रखने वाले इस किले में चारों ओर 99 गढ़ बने हैं।

इसलिए कहते हैं येलो सिटी

रावल जैसल ने इस शहर की स्थापना 1156 ई में की थी, जिसका अर्थ है जैसल का पहाड़ी किला। यहां स्थित किले के निर्माण में पीले बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, जो इसे सुनहरे-पीले रंग से भर देता है। सुबह सूरज की किरणें पड़ते ही यह किला सोने की तरह चमकता है, इसलिए इसे सोनार किला या गोल्डन फोर्ट कहते हैं। इस किले की वजह से ही जैसलमेर को दुनियाभर में येलो सिटी के नाम से जाना जाता है। ●

जेसीआई ने नए प्रेस एक्ट के विरोध में पीएम मोदी के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रखर जोधपुर। देश के यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मारवाड़ सूर्यनगरी की धरा जोधपुर राजस्थान में आगमन पर पत्रकारों के हितों की रक्षार्थ कटिबद्ध राष्ट्रव्यापी संगठन जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के बैनर तले जेसीआइ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनुराग सक्सेना के निदेर्शानुसार प्रदेश संयोजक श्री राकेश वशिष्ठ के नेतृत्व में मारवाड़ के सभी पत्रकारों ने एकजुट हो अपनी प्रमुख मांगों को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन के रूप में प्रधानमंत्री की चाक चौबंद सुरक्षा और प्रोटोकॉल की अनुपालन सुनिश्चित करते हुए जिला कलेक्टर जोधपुर के मार्फत सौंपा गया।

जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रदेश संयोजक राकेश वशिष्ठ ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि अभी केंद्र सरकार द्वारा नया प्रैस एक्ट दिनांक 25.09.2023 एडवाइजरी टू पब्लिशर्स लाया गया है जिसके मुताबिक सभी छोटे प्रकाशकों को पाबंद किया गया है वो अपने समाचार पत्रों के प्रकाशन के 48 घंटे के अंदर अपने समाचार पत्र की प्रति PIB के ऑफिस में व्यक्तिगत रूप से जमा करवाए। अन्यथा 2000 रुपए जुमार्ना लगाया जाएगा जो कि तकनीकी रूप से संभव नहीं है।

क्योंकि भारत के 28 राज्यों में मार्च 2023 तक जिलों की संख्या बढ़कर 752 तक हो गई है, जबकि 8 केंद्र शासित प्रदेशों में जिलों की संख्या बढ़कर 45 तक हुई है। यानि इन दोनों को मिला दिया जाए, तो भारत में कुल 797 जिले हैं और PIB ऑफिस मात्र 28.सभी छोटे प्रकाशकों के लिए यह संभव नहीं हो सकता कि 48 घंटों में वह प्रतिलिपि जमा करवा सकें।

एक तरह से यह एक्ट छोटे पत्रकारों और पब्लिशर्स या यूं कहें कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मुंह को बंद करने के लिए यह एक्ट लाया गया है, जो कि अनुचित है। अतः जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया इस एक्ट का घोर विरोध करता है।

वशिष्ठ ने बताया कि अभी डिजिटल युग है और हम सभी डिजिटल पत्रकारिता को नकार नहीं सकते। अतः जेसीआई ने अपने ज्ञापन में सभी डिजिटल मीडिया के उभरते हुए सभी छोटे बड़े प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों को नियमानुसार पंजीकृत कर मान्यता देने की मांग की है।

आए दिन फील्ड में पत्रकारों के साथ मार पीट और गाली गलौज की घटनाएं आम हो गई है, अतः जेसीआई ने सम्पूर्ण भारत में सभी छोटे बड़े प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकार भाई बहनों की सुरक्षा हेतु पत्रकार सुरक्षा कानून प्रमुखता से लागू करने की मांग की है।

पत्रकारों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जेसीआई ने सम्पूर्ण भारत में सभी जिला मुख्यालयों पर सभी छोटे बड़े प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों के प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत कार्ड बनवाने की मांग की है। आर्थिक रूप से कमजोर पत्रकार साथियों को सस्ती दर पर आवासीय प्लाट उपलब्ध करवाने साथ ही सभी छोटे बड़े प्रिंट,इलेक्ट्रिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों के बच्चो को उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति प्रदान कर अध्ययन में सहयोग हेतु जेसीआई ने मांग की है।

राकेश वशिष्ठ ने बताया कि फील्ड में कवरेज करते वक्त किसी भी आकस्मिक दुर्घटना में किसी पत्रकार साथी की मृत्यु हो जाने पर पूरे परिवार के समक्ष रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाता है अतः जेसीआई ने मांग की है कि ऐसी स्थिति में पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान कर आर्थिक संबल दिया जाए।

राकेश वशिष्ठ ने बताया कि जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया सभी छोटे बड़े प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों का एक राष्ट्रव्यापी संगठन है जो कि पत्रकारों के हितों की रक्षार्थ लगातार संघर्ष करता आ रहा है और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनुराग सक्सेना के निदेर्शानुसार संगठन लगातार जमीन पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है राकेश वशिष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ज्ञापन देने मैं जोधपुर के सभी छोटे बड़े प्रिंट, इलेक्ट्रिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों साथियों मीडिया समूहों का वांछित सहयोग मिला, आशा करता हूं भविष्य में भी आप जेसीआई का हाथ इसी तरह मजबूत करते रहेंगे।

निर्वतमान जिलाअध्यक्ष डा. अवधनाथ पाल की अध्ययता में मासिक बैठक एवं नवनियुक्त प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी का स्वागत समारोह का आयोजन

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के निर्वतमान जिलाअध्यक्ष डा. अवधनाथ पाल के अध्ययता में मासिक बैठक एवं नवनियुक्त प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी का स्वागत समारोह का आयोजन किया गया सर्व प्रथम सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों में पूर्व विधायक लंलन प्रसाद यादव, राजेश यादव, शुशील दूबे, लकी त्रिपाठी, राजकुमार सरोज, श्याम प्रकाश सरोज, राजकुमार सरोज का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया वहीं डां अवधनाथ पाल ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जितने भी साथी को संगठन में जिम्मेदारी दी है निश्चित रूप समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। वहीं कहा सभी को अपने वोटर लिस्ट को देख करते रहिए पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने साजिश और षड्यंत्र करके बड़े पैमाने पर समाजवादी पार्टी समर्थकों के वोट कटवा दिए। भाजपा ने बेईमानी करके चुनाव जीता। समाजवादी पार्टी ने इसकी शिकायत भी की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए संवैधानिक संस्थाओं की

स्वतंत्रता को प्रभावित कर रही है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान को कमजोर कर रही है। कहा कि भाजपा सरकार इंडिया गठबंधन और पीडीए की एकजुटता से परेशान और डरी हुई है। मतदाता सूची में धांधली पर ही उसका भरोसा रह गया है। फर्जी मतदान के सहारे वह चुनाव जीतने की साजिश कर रही है। और मतदाता सूची में बडें पैमाने पर गड़बड़ियां करने का काम कराते आ रहे है तो पूरे प्रदेश में मतदान के समय क्या स्थिति होगी, इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। ऐसे में लोकतांत्रिक प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव राहुल त्रिपाठी, श्रवण जयसवाल, हिरालाल विश्कर्मा, इर्शाद मंसूरी, संजय सरोज, राजकुमार बिन्द, साजिद अलीम, मेवालाल गौतम, दिनेश फौजी, अजमत अली, सोचनराम विश्कर्मा, रामू मौर्या, सूर्यभान यादव, राम इकबाल यादव, अनील दूबे, डां जग बहादुर यादव कमाल आजमी, देवमणि यादव,राजेन्द्र यादव, लक्ष्मी शंकर यादव, आदि बैठक का संचालन राजेन्द्र टाइगर ने किया।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत निकाली गई कलश यात्रा

प्रखर जखनियां गाजीपुर। मनिहारी ब्लाक में शनिवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत अमृत कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा का शुभारंभ ब्लाक मुख्यालय से हुआ।यात्रा में ग्राम प्रधान व ग्रामीणों संग ब्लॉक कर्मचारी शामिल रहे। कलश यात्रा मुख्य मार्गो से होकर निकली। खण्ड विकास अधिकारी अनुराग राय ने कहा कि अमृत कलश यात्रा का उद्देश्य उन वीर जवानों का सम्मान करने से है जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया है।उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव हमारे देश के लिए गौरव का पल है। कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी गौरवमयी संस्कृति का परिचय देते हुए इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। तथा एकत्र की गई मिट्टी को इंडिया गेट पर युद्ध स्मारक के

समीप अमृत वाटिका के निर्माण के लिए प्रयोग किया जाएगा। वहीं यह अभियान भारतीय संस्कृति का प्रसार करता है और लोगों में देशभक्ति की भावना को बढ़ाता है। कलश यात्रा में शंकरदयाल सिंह, ललित त्रिपाठी,संजय सक्सेना, मुलायम सिंह यादव, प्रमोद कुमार, रेयाज अहमद, अरविंद कुमार, पंचायत सहायक श्रीकेश यादव, अश्वनी कुमार,मनीष भारद्वाज, राहुल आदि शामिल रहे।

डीआरएम को सौंपा ज्ञापन, 10 अक्टूबर से आमरण अनशन की चेतावनी

प्रखर गाजीपुर। गहमर स्थानीय रेलवे स्टेशन पर कोरोना काल से इस्लामपुर दिल्ली मगध एक्सप्रेस, जयनगर आनंद बिहार गरीब रथ एक्सप्रेस एवं कामाख्या भगत की कोठी एक्सप्रेस के खत्म हुए ठहराव को पुनः शुरू करने के लिए गहमर रेल ठहराव समीति व भूतपूर्व सैनिक संगठन ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जो आज शनिवार को 7वें दिन भी जारी रहा। जिसमें रविवार को होने वाले पिंडदान, मुडंन एवं भोज की रूपरेखा तय की गई। इस अवसर पर भूतपुर्व सैनिक सेवा समिति के संयोजक चंदन सिंह ने कहा कि रेल प्रशासन द्वारा गहमर में पुनः ठहराव न देना उसकी गलत मानसिकता को दशार्ता है। हम अब बहुत अपमान सह चुके। अब हम रेलवे के खिलाफ 10 अक्टूबर को अमरण अनशन पर बैठने जा रहे हैं। उसके लिए हमने रेलवे को ज्ञापन दे दिया है । हम सैनिकों के साथ कुछ भी होता है है तो उसकी जिम्मेदारी रेल प्रशासन की होगी। रेल पुनः ठहराव समिति के मनोज सिंह सिकरवार ने कहा कि गहमर रेलवे स्टेशन पर कर रविवार को रेलमंत्री एवं रेल अधिकारीयों का पिंडदान व श्राद्ध का कार्यक्रम होगा। समिति के सदस्य मुडंन करा कर भीख मांग कर रेलमंत्री व रेलअधिकारीयों के आत्मा की शांति के लिए ब्रह्मभोज करेगें। इस अवसर पर अखंड सिंह, सुधीर सिंह, आयुष उपाध्याय, भूतपूर्व सैनिक सेवा समिति के सदस्य दीपक राजपूत, श्रीकृष्ण उपाध्याय, ओमप्रकाश सिंह ,सचिदानंद उपाध्याय, प्रशांत सिंह, बुल्लू, अमित सिंह, चंदन सिंह मौजूद रहे।

अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन मीरजापुर ने सहायक आयुक्त औषधि को सम्मानित किया

प्रखर मिजार्पुर। जिले के फार्मासिस्टो की आवाज बन चुके , देश का सबसे बड़ा संगठन अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की मीरजापुर शाखा का एक प्रतिनिधि मंडल जिला उपाध्यक्ष सुदीप मिश्रा व जिला कोषाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में आज 6 अक्टूबर को संदीप गुप्ता (सहायक आयुक्त औषधि विंध्याचल मण्डल) के पथरहिया स्थित कार्यालय पर पहुंच कर उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया , सहायक आयुक्त ने इसके लिए सभी को धन्यवाद देते हुए फार्मासिस्ट एसोसिएशन का सहयोग करने की बात कही , प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष चंद्रेश शुक्ला, जिला महासचिव शिपेंद्र सिंह,जिला उपाध्यक्ष प्रदीप साहनी, सुदीप मिश्रा,जिला कोषाध्यक्ष गौरव पाण्डेय, नगर कोषाध्यक्ष भावेश शुक्ला शामिल रहे ।

श्रीकृष्ण-सुदामा का प्रसंग सुना पढ़ाया मित्रता का पाठ

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार निवासी फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ के पैतृक निवास स्थान पर चल रहे सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन कथावाचक बाल ब्यास शशिकान्त महाराज ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रवचन दिए।कथा से पहले कथा की शुरूआत डॉ. गोरख नाथ पटेल बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर,पं. रमेश(महंत विश्व प्रसिद्ध दुगार्कुण्ड मंदिर वाराणसी) ने द्वीप प्रज्जवलित कर किया।बाल ब्यास शशिकान्त महाराज ने सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया।मां देवकी के कहने पर छह पुत्रों को वापस लाकर मां देवकी को वापस देना,सुभद्रा हरण का आख्यान कहना एवं सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कथा व्यास पीठाधीश्वर शास्त्री ने बताया कि मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा जी से समझा जा सकता है।सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र कृष्ण से मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे।सुदामा ने द्वारिकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे लेकिन द्वार पर द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया।तब उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं, इसपर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है। अपना नाम सुदामा बता रहा है।

जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना सुदामा सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे।सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया। सुदामा ने भी कन्हैया कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया। दोनों की ऐसी मित्रता देखकर सभा में बैठे सभी लोग अर्चभित हो गए। कृष्ण सुदामा को अपने राज सिंहासन पर बैठाया। उन्हें कुबेर का धन देकर मालामाल कर दिया। जब भी भक्तों पर विपदा आई है।प्रभु उनका तारण करने अवश्य आए हैं।त्रिलोचन महादेव बाजार में चल रही सात दिवसीय कथा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।अंत में भागवत भगवान की आरती की गई और प्रसाद वितरण किया गया।जिसमें सैकड़ों लोगों ने शिरकत की।इस अवसर पर जितेन्द्र सेठ अध्यक्ष स्वर्णकार समाज,अजय कुमार सिंह (साईं इस्टिट्युट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, वाराणसी), अनुराग वर्मा अध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल, विक्रम सिंह मिडिया प्रभारी रा.हि.भ.वा., राम किनकर मिश्रा एसआई, शिवचन्द यादव अध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल पराऊगंज, पंकज भूषण मिश्रा ओमेगा पब्लिक स्कूल जलालपुर,माला सिंह,मुरलीधर गिरि प्रबंधक त्रिलोचन मंदिर,अनिल सिंह अध्यापक, अजीत सिंह अध्यापक, गोपाल सेठ, विनय वर्मा, चन्दन सेठ,संगम जायसवाल, प्रेम शंकर दुबे, कन्हैया लाल वर्मा, संतोष सेठ, महेन्द्र सेठ व अन्य उपस्थित थे।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सृजन सामाजिक विकास न्यास एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आज वन्य जीव संरक्षण, स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्रखर वाराणसी। कैंट विधायक श्री सौरभ श्रीवास्तव के अगुवाई में सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड अम्बेसडर अनिल कुमार सिंह के मिशन एक करोड़ पौध रोपण के तहत एवं श्री सुरेंद्र चौधरी पुलिस उपमहानिरीक्षक रेंज चंदौली एवं अनिल कुमार बृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन निर्देश से आज महामना मालवीय जीपीएस इंटर कॉलेज रश्मि नगर संकट मोचन वाराणसी के बच्चों और अध्यापक, अध्यापिका के साथ वन्य जीव संरक्षण हेतु, स्वच्छता अभियान कार्यक्रम एवं विद्यालय में पौध रोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें फलदार पेड़ लगाये गये कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सौरभ श्रीवास्तव कैंट विधायक थे, विशिष्ट अतिथि श्री सुजय यादव सहायक कमांडेंट 95 बटालियन एवं श्री लाल बहादुर

सिंह प्रबंधक महामना मालवीय जीपीएस इंटर कॉलेज रश्मि नगर संकट मोचन थे । मुख्य अतिथि महोदय ने अपने कर कमल से पौधे लगाए एवं हरी झंडी दिखाकर एक विशाल रैली को रवाना किए तथा सभी से आग्रह किया कि सभी लोग अपने आसपास के सरकारी संस्थानों, पार्कों को स्वच्छ रखें एवं अपने जन्मदिन शादी के सालगिरह आदि शुभ अवसरों पर एक-एक पौधे भी लगाये। कार्यक्रम की अध्यक्षता सृजन संस्था के अध्यक्ष व गंगा हरीतिमा के ब्रांड एंबेसडर श्री अनिल सिंह जी ने की, कार्यक्रम प्रमुख रूप से डॉ मुकेश जी महामना मालवीय जीपीएस स्कूल के निदेशक, अध्यापक अध्यापिकाएं एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया व 95 बटालियन सीआरपीएफ के निरीक्षक विवेक चंद्र राय, प्रवीण सिंह ने जवानों के साथ पूरे जोश के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिए, पार्षद प्रतिनिधि राजीव सिंह, वन विभाग के रेंज अधिकारी दिवाकर दुबे एवं उनकी टीम सृजन सामाजिक विकास न्यास के सदस्य आदि लोगों ने भाग लिया और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गंगा हरीतिमा के ब्रांड एम्बेसेडर श्री अनिल सिंह जी के द्वारा 95 बटालियन सीआरपीएफ के जवानों व महामना मालवीय जीपीएस इंटर कॉलेज रश्मि नगर संकट मोचन वाराणसी के अध्यापक बच्चों एवं सीआरपीएफ के नौजवानों सृजन सामाजिक विकास न्यास के सदस्यों को वन्य जीव संरक्षण हेतु एवं स्वच्छता,पौध रोपण के लिए शपथ दिलाये।

गैंग बनाकर वाहन चोरी व लूट का अपराध कारित करने वाले 02 अपराधियों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत की गयी कार्यवाही

प्रखर गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा वाहन चोरी व लूट के अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी कैण्ट के पर्यवेक्षण में, थाना प्रभारी कैण्ट द्वारा गैंग लीडर तौफीक शेख उर्फ तोता पुत्र स्व0 अब्दुल शेख निवासी ग्राम जगदीशपुर टोला धुबियाना टोला थाना गीडा जनपद गोरखपुर व गैंग के 01 अन्य सदस्य (सहअभियुक्त) तौसीफ खान पुत्र आशिक अली निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर टोला कूटी के पास काली मंदिर थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर, जिनका एक विधि विरुद्ध गैंग है, के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी है । उक्त गैंग का लीडर तौफीक शेख उर्फ तोता स्वयं है व अपने गिरोह के अन्य सदस्य के साथ आर्थिक, भौतिक, दुनियाबी व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से एक संगठित गिरोह बनाकर वाहन चोरी व लूट के अपराध कारित करते रहते हैं । गैंग के सरगना एवं अन्य सदस्यों का सामान्यतः जन मानस में भय एवं आतंक व्याप्त है, जिसके कारण इनको स्वतंत्र विचरण करने से रोकने एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु जिला मजिस्ट्रेट गोरखपुर द्वारा अनुमोदित गैंग चार्ट प्राप्त कर गैंगेस्टर एक्ट के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए गैंग लीडर तौफीक शेख व गिरोह के 01 अन्य सदस्य तौसीफ खान उपरोक्त के विरूद्ध थाना कैण्ट पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत मु0अ0सं0 709/2023 धारा 3(1) उ0प्र एज0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधि0-1986 पंजीकृत किया गया है ।

संक्षिप्त खबरें

चकरोड और नाली पर अतिक्रमण के चलते आवागमन प्रभावित

प्रखर वाराणसी। रमना सामने घाट के निवासियों ने मौजा रमना में चकरोड और नाली पर दबंग लोगों द्वारा कब्जा कर लेने का आरोप लगाया है। रमना निवासी नीतू तिवारी,राजकुमार, शिवकुमार और विजय कुमार ने उपजिलाधिकारी सदर को दिए गए प्रार्थना पत्र में शिकायत की है कि उनकी जमीन के पश्चिमी दिशा में गाटा संख्या 926 और 927 चक रोड और नाली है। जिसपर कैलाश पटेल,नखडू पटेल, लक्ष्मण साहनी,रमाशंकर साहनी आदि ने पूर्ण रूप से अवैध कब्जा कर लिया है। मना करने पर वे धमकी देते हैं और कहते हैं कि किसी भी सूरत में कब्जा नही छोड़ेंगे। इसके चलते आवागमन में बाधा हो रही है। क्षेत्रीय लेखपाल ने भी सदर तहसील को सौंपी गई रिपोर्ट में इस बात की तस्दीक की है कि खतौनी में उक्त दोनों गाटा संख्या चक मार्ग और नाली के नाम ही दर्ज है। इसके बावजूद दबंगई के बल पर अतिक्रमण करने वाले खाली नही कर रहे हैं। अतिक्रमण के चलते क्षेत्रीय लोग बहुत प्राचीन और ऐतिहासिक वन सती माता के मंदिर में दर्शन पूजन करने भी नही पहुँच पाते। पीड़ित लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि चक रोड और नाली पर किया गया अवैध अतिक्रमण जल्द से जल्द हटाया जाय ताकि लोगों को हो रही असुविधा दूर हो सके।

गांव में फैले गन्दगी को लेकर महिला ने तहसील दिवस पर दिया शिकायती-पत्र

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां। सहजनवां ब्लाक अंतर्गत ग्राम सभा अकुआपार में निवासिनी सपना देवी पत्नी रामबदन ने घर के सामने गंदगी को लेकर महिला ने तहसील दिवस पर किया शिकायत। महिला द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि गांवों में पुश्तैनी जमीन पर मकान है जिसके दरवाजे के सामने गांव के ही कई लोगों के द्वारा गंदाव गोबर का घुर फेंका जा रहा है। जिसके कारण आए दिन परिवार के लोग बीमार हो रहे हैं। प्रार्थिनी ने कहा उक्त लोग मनबढ़ तथा दबंग हैं मना करने पर लोग गाली-गलौज तथा मारपीट पर आमदा हो जाते हैं प्रार्थना ने शिकायत पत्र में बताया कि भारतीयदंड संहिता (आईपीसी) की धारा 268 पब्लिक न्यूसेंस को लेकर प्रावधान रखे गए हैं। फिर भी उसके द्वारा तहसील दिवस तथा अन्य कार्यालय में कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा गांव के लोगों के धन-बल के प्रभाव में आकर गलत रिपोर्ट लगा कर प्रेषित कर दिया जाता है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई न होने से दबंगों के हौसले बुलंद है। प्रार्थिनी ने शिकायत पत्र के माध्यम से जनहित में उक्त स्थान पर किए जा रहे गंदगी को रोकने तथा गंदगी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

नीरज मेहरा को मैक्स लाइफ से मिला बेस्ट फाइनेंशियल एडवाइजर 2022-23 का सम्मान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मैक्स लाइफ इंश्योरेंस की तरफ कल रात 5 सितारा होटल में BALI (INDONASIA) में बेस्ट फाइनेंशियल एडवाइजर नीरज मेहरा वाराणसी को (भारत) का 2022-23 का सम्मान प्राप्त हुआ। यह सम्मान नीरज मेहरा को मैक्सलाइफ की ओर से कस्टमर सैटिफैक्शन और सबसे ज्यादा पॉलिसी करने के लिए मिला है।

मोटरसाइकिल चोरी के नाबालिक की जमानत मंजूर

प्रखर वाराणसी। मोटरसाइकिल चोरी करने के नाबालिक आरोपी उत्कर्ष गुप्ता सिंधोरा की जमानत किशोर न्याय बोर्ड की अदालत ने मंजूर कर ली अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता नीरज यादव और देवचंद ने पक्ष रखा।अभियोजन का थाना के अनुसार थाना लंका वाराणसी में एक अज्ञात मुकदमे में मोटरसाइकिल चोरी की एफआईआर दर्ज कराई थी जिसकी छानबीन करते हुए सिंधोरा निवासी उत्कर्ष गुप्ता का नाम प्रकाश में आया था जिसे पुलिस ने छापामारी करके उसे ननिहाल घोरावल सोनभद्र से गिरफ्तार कर-के किशोर न्याय बोर्ड की अदालत में पेश कर जेल भेज दिया था उसके बाद अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता नीरज यादव और देवचंद ने पक्ष रखा और दलील दी की उत्कर्ष गुप्ता नाबालिक है जो की अप कॉलेज में रहकर पढ़ाई करता है और वह किसी भी प्रकार की चोरी में संदीप नहीं है उसे गलत एवं फर्जी मुकदमे में फसाया गया है जिससे कि उसका भविष्य अंधेरे में पड़ जाए तमाम दलीलों के आधार पर किशोर न्याय बोर्ड की अदालत ने उत्कर्ष गुप्ता को 25000 के दो व्यक्तिगत बंद पत्र पर रिहा करने का आदेश दे दिया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं